www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591
MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-05 ❖ मुंबई ❖ रविवार 24 से 30 जनवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

सपने वो होते हैं
जो सोने नही देते
और
अपने वो होते है
जो रोने नही देते!

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

मुंबई तरंग परिवार की ओर से
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें

देशभक्ति और हिंदुत्व का तेजस्वी रूप थे! मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे को अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंबई, हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका अभिवादन किया, साथ ही मुख्यमंत्री ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे देशभक्ति और हिंदुत्व का तेजस्वी रूप थे।

'मातोश्री' निवास स्थान पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण करके अभिवादन किया। दक्षिण मुंबई संसदीय सीट से सांसद अरविंद सावंत ने भी पुष्प अर्पित करके अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अभिवादन संदेश में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और भगवा को अपना जीवन माननेवाले हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे एक महान देशभक्त व हिंदुत्व का तेजस्वी रूप थे।

उन्होंने प्रबोधनकार केशव सीताराम ठाकरे से प्रगति और आम आदमी की पीड़ाओं को आवाज देने के बारे में सीखा। संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन, कर्नाटक सीमा आंदोलन से बालासाहेब ठाकरे नेतृत्व के शिखर पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति और सामाजिक चेतना निर्माण करनेवाले बालासाहेब एक लेखक, पत्रकार, कार्टूनिस्ट, वाकपटु, प्रखर वक्ता और मनस्वी कलाकार थे। शिवसेनाप्रमुख के कार्य और नेतृत्व को शब्दों में बयां करना असंभव है। उनके विचार भविष्य की पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। आम लोगों के मुद्दों को लेकर सतत संघर्ष करनेवाले,

हिंदुत्व और मराठी भाषियों की बुलंद आवाज हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर विनम्र अभिवादन।

पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जाएगी सुभाषचंद्र बोस की जयंती

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की शताब्दी रजत जयंती के उपलक्ष्य में आगे से उनका जन्मदिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने नेताजी के जन्मदिन पर उनका अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रखर राष्ट्रभक्त के रूप में सदैव देश के मानस पटल पर स्मरण किए जाते रहेंगे। उनका राष्ट्राभिमान और त्याग हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे।

जांच के संबंधित सीएम उद्धव ठाकरे की साइन की हुई फाइल से छेड़खानी, FIR दर्ज

उद्धव ठाकरे की साइन की हुई फाइल के साथ छेड़खानी किए जाने का मामला सामने आया है। राज्य मुख्यालय मंत्रालय में हुई गंभीर चूक के इस मामले में मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है।

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की साइन की हुई फाइल के साथ छेड़खानी किए जाने का मामला सामने आया है। राज्य मुख्यालय मंत्रालय में हुई गंभीर चूक के इस मामले में मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है।

सीएम ठाकरे ने पीडबल्यूडी के सुपरिंटेंडेंट इंजिनियर के खिलाफ विभागीय जांच के संबंध में एक फाइल पर साइन किया था। जोन-1 के डीसीपी शशिकुमार मीणा ने कहा, 'अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच शुरू कर दी गई है।' विपक्षी बीजेपी ने विभागीय जांच के आरोप लगाए हैं। PWD मंत्री से सीएम के पास आई थी फाइल जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स में हुए काम के दौरान वित्तीय अनियमितता से जुड़े मामले में PWD के इंजिनियर के खिलाफ जांच के लिए सीएम ने फाइल पर साइन किया था। लेकिन बाद में साइन के ऊपर फर्जी टिप्पणी करते हुए जांच को बंद कर दिए जाने की बात लिख दी। PWD मंत्री अशोक चव्हाण के पास से होते हुए फाइल सीएम के पास आई थी।

सीएम के साइन से छेड़खानी गंभीर मामला एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'सीएम के साइन को बहुत शक्तिशाली माना जाता है। विभाग के मंत्रियों या फिर सीनियर अधिकारियों के महत्वपूर्ण फैसलों पर सीएम के साइन को अंतिम मुहर माना जाता है। सीएम के साइन मात्र से ही करोड़ों के फंड जारी हो जाते हैं। ऐसे में साइन के साथ छेड़खानी करना गंभीर मसला है।'

'जिसे-जिसे बालासाहेब का कवच प्राप्त रहा, वो अभेद्य रहा!'....शत्रुघ्न सिन्हा के 'मन की बात'

मुंबई, हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे का संरक्षण रूपी कवच जिसे-जिसे प्राप्त रहा, उसे कोई भेद नहीं पाया, वो हमेशा अभेद्य रहा। यह मन की बातें फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कही हैं। उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 'दोपहर का सामना' से विशेष बातचीत के दौरान कई संस्मरण बताए। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि बालासाहेब हमेशा मुझे प्रेम देते थे। उनके अंदर नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसी दृढ़ता और चाणक्य जैसी सूझ-बूझ थी। शक्तिशाली, मजबूत, बुद्धिमान और विलक्षण प्रतिभा के धनी होने के साथ बालासाहेब बहुत दयालु थे। मोम की तरह पिघल जाते थे। जिसके ऊपर उन्होंने हाथ रख दिया, उसे एक कवच मिल गया। यह ऐसा कवच था, जिसे कोई भेद नहीं सकता था।

'बालासाहेब का 'सेंस ऑफ ह्यूमर' गजब का था। उनकी याददाश्त बहुत ही बेजोड़ थी। वे सिर्फ फादर फीगर नहीं थे बल्कि गॉड फादर फीगर थे। देश की रक्षा के लिए वे आजीवन तत्पर रहे। अपने चिर-परिचित अंदाज में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि बालासाहेब देश की आन, बान और शान थे। वे देश के इकलौते लौहपुरुष थे। लेकिन उनका दिल मोम जैसा था। देश में प्रधानमंत्री से कम उनकी साख नहीं थी, पावर विदाउट पॉलिटिक्स। आज उनके पुत्र महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके पौत्र पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र को बहुत आगे ले जाएंगे और ये सब बालासाहेब के आशीर्वाद से ही हो रहा है।'

बातचीत के दौरान भावुक हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि हमारा शिवसेनाप्रमुख से पारिवारिक संबंध था। मेरे बड़े भाई डॉ. लखन सिन्हा को बालासाहेब बहुत मानते थे। मैं जब भी 'मातोश्री' जाता था, तो वे वहां सभी कर्मचारियों से मुझे मिलवाते थे। सबका परिचय कराते थे। मुझ पर उनका अथाह प्रेम था। १९९५ में जब शिवसेना-भाजपा की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह था, मैं मंच के सामने नीचे बैठा था। जैसे ही बालासाहेब की नजर मुझ पर पड़ी, उन्होंने कहा कि अरे, देश का इतना बड़ा स्टार और मंच पर नहीं। उन्होंने मुझे बुलाकर मंच पर बैठाया और कहा कि भाषण भी दो, लोग आपको सुनना चाहते हैं। मैंने अपनी बातें उपस्थित विशाल जनसागर के सामने रखीं। शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने कई संस्मरण सुनाए।

नौनिहालों की खुशियां लौटाए अभियान मुस्कान...100 लापता बच्चों को परिजनों से मिलाया

लखनऊ, जीआरपी अनुभाग आगरा व झांसी के अंतर्गत वर्ष २०१८,१९, २० में गुम हुए नौनिहालों की खुशियां लौटाने, उनकी बरामदगी के लिए गृह मंत्रालय द्वारा संचालित 'ऑपरेशन मुस्कान' चलाया गया। इस अभियान में दोनों अनुभागों द्वारा विगत लगभग २० दिनों में १०० से अधिक बच्चों को विभिन्न जनपद एवं राज्यों से बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया गया। यह काम अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी/आगरा आशीष तिवारी के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक रेलवे आगरा मौ.मुश्ताक के नेतृत्व में किया गया।

प्रशिक्षित टीम तैयार की गई

इस अभियान से जुड़े अधिकारी ने बताया कि इसको सफल बनाने हेतु सर्वप्रथम दोनों अनुभागों से गुम हुए बच्चों का डाटा संकलन किया गया। इस डाटा संकलन में कुल २३१ बच्चों की पूरी जानकारी एकत्र कर एल्बम बनाया गया। इनको खोजने के लिए एक बेहतरीन ट्रेंड टीम तैयार की गई। इस टीम में समर्पित एवं सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले पुलिसकर्मियों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया। चयन के पश्चात दोनों अनुभागों में कुल चार टीमें गठित की गई। इस टीम के सभी सदस्यों को बच्चों से संबंधित कानूनों को लेकर प्रशिक्षित किया गया। प्रथम चरण की खोज प्रशिक्षण के उपरांत प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा, मथुरा, हाथरस, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, अलीगढ़, मैनपुरी, इटावा, फर्रुखाबाद, बांदा, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, कानपुर, झांसी, महोबा, चित्रकूट को चिह्नित कर टीमों को आवंटित कर उन्हें रवाना किया गया। देश के हर शहरों में पहुंची टीम इसके पश्चात दूसरे चरण में भारत के बडे शहरों दिल्ली, फरीदाबाद, पलवल, गुड़गांव, गाजियाबाद, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर एवं मुंबई को चिह्नित किया गया जो अभी जारी है। अभी तक महज २० दिनों में टीमों द्वारा तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए १०० से अधिक बच्चों को खोज लिया गया। जिनमें एल्बम के २३१ बच्चों में से अभी तक कुल ८१ बच्चों के घर पर संपर्क स्थापित किया गया तो ये सभी गुमशुदा बच्चे अपने घर आ चुके थे। इसके अतिरिक्त टीमों द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं बालगृहों में कई वर्षों से अंधकार में जीवन जी रहे कुल २२ बच्चे/बच्चियों को टीम की कड़ी मेहनत से उनके परिजनों से मिलाया जा चुका है।

हाजिर नहीं हुई कंगना...पूछताछ के लिए पुलिस से मांगी मोहलत

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को शुक्रवार को जुहू पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन वह हाजिर नही हो सकी। जुहू पुलिस ने जावेद अख्तर मानहानि मामले में बुधवार को समन भेजकर पुलिस स्टेशन में हाजिर होने के लिए कहा था। कंगना ने पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस से अधिक मोहलत की मांग की है।

कंगना रनौत के वकील रिजवान सिद्दीकी ने बताया कि कंगना ने १५ फरवरी के बाद पूछताछ में शामिल होने के लिए कहा है। बता दें कि जावेद अख्तर ने दिसंबर २०२० में अंधेरी स्थित एक न्यायालय में कंगना पर मानहानि का मामला दर्ज किया था, जिसके सिलसिले में कंगना को जुहू पुलिस ने समन भेजा था। कंगना रनौत पर आरोप है कि उन्होंने एक मीडिया चैनल को दिए गए इंटरव्यू में जावेद अख्तर की छवि को ठेस पहुंचानेवाली बातें कहीं थीं। इसके पहले भी कंगना रनौत से बांद्रा पुलिस देशद्रोह के मामले में भी पूछताछ कर चुकी है।

मनपा का मेगा प्रोजेक्ट, कचरे से बनेगी बिजली

मुंबई, मुंबई से निकलनेवाले हजारों टन कचरा से अब भरपूर मात्रा में बिजली बनाने की योजना पर मनपा जुट गई है। पहले प्रोजेक्ट के बाद मनपा अब तीन गुना बड़े प्रोजेक्ट को तैयार करने में जुट गई है। मनपा के इस नए मेगा प्रोजेक्ट में लगभग १,८०० टन कचरा प्रोसेसिंग कर बड़ी मात्रा में ऊर्जा निर्मिति का लक्ष्य रखा है। इस प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने के लिए कल नई तकनीकी से जुड़े सुझाव आमंत्रित किए गए। अगले दो महीने में निविदा प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी और उसके बाद उक्त योजना पर काम शुरू होगा, ऐसा दावा मनपा अधिकारियों ने किया।

सुझाव से पता चलेगा

देवनार में इसी तरह का एक प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है, जिसका काम ४० महीनों में पूरा होगा। इस दूसरे प्रोजेक्ट के संदर्भ में भी नवंबर, २०२० में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में प्रस्ताव पास हुआ था। अब नए प्रोजेक्ट के लिए २२ जनवरी, २०२१ से २२ फरवरी शाम ५.३० बजे लोग अपने सुझाव जमा करा सकेंगे।

बैंक कर्मचारी बनकर फ्रॉड ने कहा- OTP दो, फिर लगा दिया 22 लाख रुपये का चूना

मुंबई, अनजान लोगों की बात पर भरोसा कर निजी या बैंकिंग लेन-देन से संबंधित जानकारी शेयर करना खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने से कम नहीं है। खासतौर से ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) साझा करना।

इसका ताजा उदाहरण मुंबई के बोरीवली में देखने को मिला है, जहां 28 वर्षीय कर्मचारी की गलती से उसके मालिक को 22 लाख रुपये की चपत लग गई।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार को एक निजी फर्म में कार्यरत एक कर्मचारी, जो इसका वित्तीय लेनदेन देखते हैं, को एक अनजान व्यक्ति का कॉल आया। वह साइबर क्रिमिनल था। उसने इस कर्मचारी को बताया कि आपके मालिक के बैंक खाते को अपडेट करना है। इसके लिए उन्हें ओटीपी और कुछ अन्य बेसिक जानकारियां चाहिए।

...फिर बंद कर लिया अपना फोन पुलिस के अनुसार, उस कर्मचारी ने अज्ञात कॉलर को उस बैंक का असली कर्मचारी समझ लिया, जिस बैंक में उसके मालिक का अकाउंट है। कर्मचारी ने अपने एक वरिष्ठ कर्मचारी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आया ओटीपी अज्ञात कॉलर को बता दिया।

ओटीपी मिलने के बाद साइबर क्रिमिनल ने कर्मचारी से कहा कि वह कुछ देर बाद अपने मालिक के बैंक खाते को चेक कर लें। इसके बाद शातिर अपराधी ने अपना फोन बंद कर दिया। कर्मचारी को ऑनलाइन ठगी का अहसास हुआ और उसने बोरीवली पुलिस में शिकायत की।

'अपनी बैंकिंग जानकारी साझा न करें' जोन-11 के डीसीपी विशाल ठाकुर ने बताया कि पीड़ित कर्मचारी के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी ऐक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। घटना की जांच की जा रही है। लोगों से अपील है कि वे किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग या निजी जानकारी साझा न करें।

नए नेतृत्व में अमेरिका

अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडन और उपराष्ट्रपति के रूप में कमला हैरिस का शपथ लेना न केवल अमेरिकियों के लिए बल्कि बाकी दुनिया के लिए भी कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से होता है कि नए राष्ट्रपति ने अपने कार्यालय में बैठते ही फैसलों की झड़ी लगा दी। पहले तीन फैसलों पर हस्ताक्षर कैमरे के सामने किए गए। इनमें दो घरेलू मामलों से संबंधित थे। एक के जरिये अमेरिका में मास्क पहनना और सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करना अनिवार्य बना दिया गया तो दूसरे आदेश में कमजोर तबकों को मदद मुहैया कराने की बात कही गई।

ये दोनों फैसले ट्रंप के स्थापित रुख के उलट जाते हैं। ट्रंप अपने कार्यकाल के आखिर तक मास्क का मजाक ही उड़ाते रहे थे। बाइडन ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले भाषण में भी लोगों का आह्वान किया कि वे राजनीति को दरकिनार करके एक राष्ट्र के रूप में इस महामारी का मुकाबला करें। बहरहाल, कैमरे के सामने जिस

तीसरे फैसले पर बाइडन ने हस्ताक्षर किए वह पेरिस जलवायु समझौते में अमेरिका की वापसी का है। जिस इकतरफा अंदाज में ट्रंप ने इस अंतरराष्ट्रीय समझौते से बाहर आने की घोषणा की थी, वह पूरी दुनिया को चकित करने वाला था। बाइडन ने पहले ही दिन उस फैसले को पलटकर यह संदेश दिया है कि ट्रंप से पहले तक अमेरिका जिन मूल्यों और सिद्धांतों की वकालत करता रहा है, आगे भी वह उनपर कायम रहेगा।

पहले दिन लिए गए बाइडन के 17 फैसलों में और भी कई ऐसे हैं जो बताते हैं कि पिछले चार सालों में जो विचलन अमेरिकी नीति में दिखे थे, उन्हें नियम न मानकर अपवाद के ही रूप में देखा जाए। मगर विदेश नीति में निरंतरता के तत्व हमेशा बदलाव से ज्यादा होते हैं इसलिए बाइडन प्रशासन भी ट्रंप के कार्यकाल में हुई घटनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज करके इस दायरे में अपनी नीतियां नहीं तय कर सकता। यह बात खास तौर पर चीन के संदर्भ में लागू होती है। भारत से लगी लद्दाख सीमा पर और साउथ चाइना सी के इलाकों में उसने इधर जिस तरह की आक्रामकता दिखाई है, उस पर अमेरिकी रुख में किसी तरह की नरमी के संकेत बाइडन प्रशासन की ओर से नहीं दिए गए हैं।

पूरी संभावना है कि चीन के बरक्स भारत का साथ देने का अमेरिकी रुख आगे भी बरकरार रहेगा। हालांकि ठीक यही बात पाकिस्तान के संदर्भ में नहीं कही जा सकती। नामित रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन के पहले बयान में ऐसे संकेत मौजूद हैं कि अफगानिस्तान के मामले में पाकिस्तान का सहयोग सुनिश्चित करने और उसे पूरी तरह चीन की गोद में जाने से रोकने के लिए अमेरिका उसको साथ लेकर चलने की नीति अपना सकता है। साफ है कि भारत को बदलते समीकरणों पर बारीकी से नजर रखते हुए उन्हें अपने अनुकूल बनाने और बदलावों के अनुरूप अपनी पोजिशनिंग दुरुस्त करने के लिए तत्पर रहना होगा।

अद्भुत, अविश्वसनीय

किरीट ए. चावड़ा

क्रिकेट यूं तो है ही अनिश्चितताओं का खेल, लेकिन टीम इंडिया ने मंगलवार को गाबा में जो कमाल दिखाया है, वह अनिश्चितता की सीमाओं को पार करके चमत्कार की श्रेणी में पहुंच गया है। 2-1 से मिली इस सीरीज विजय को जो चीज महत्वपूर्ण बनाती है, वह है टीम इंडिया की जबर्दस्त उतार-चढ़ावों से भरी यात्रा। इसी सीरीज की शुरुआत में उसको मात्र 36 रन पर ऑल आउट होने का झटका लगा था, जो खुद में एक रेकॉर्ड है। इसके बाद तो टीम इंडिया के डाई हार्ड फैंस ने भी उम्मीद छोड़ दी थी।

इस टेस्ट के बाद विराट कोहली जैसा बल्लेबाज और कप्तान भी पैटर्निटी लीव पर घर चला आया। टीम ने अगले ही मैच में शानदार वापसी की, लेकिन शारीरिक रूप से काफी नुकसान उठाने के बाद। चोटों ने अंत-अंत तक टीम का पीछा नहीं छोड़ा।

घायल खिलाड़ियों की कतार तेज गेंदबाज कुलदीप सैनी के चोटिल होने के साथ अंतिम मैच में भी बढ़ती गई। इतनी चुनौतियों के साथ ब्रिस्बेन में चौथे टेस्ट मुकाबले के लिए टीम जमा हुई तो जीत या ड्रॉ से अलग पूरे मैच में 11 खिलाड़ी खड़े कर पाना भी कमाल समझा जा रहा था। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने चुटकी ली- 'बंदे पूरे न हो रहे हों तो मैं

चला आऊं।'

जिस गाबा के मैदान पर 1988 के बाद से दुनिया की कोई टीम ऑस्ट्रेलिया को न हरा पाई हो, वहां चौथी पारी में 328 रन का टारगेट टीम इंडिया के सामने देख टेस्ट मैचों के पुराने शहंशाह सुनील गावस्कर ने चुनिंदा शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया दी- 'ऑस्ट्रेलिया जीतेगा या मैच ड्रॉ होगा।' लेकिन आखिरी दिन चाय के बाद का खेल शुरू हुआ तो लगा कि अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम यह मैच जीतने का मन बना रही है। इसका अंदाजा यों तो रहाणे की रफ्तार से ही मिलने लगा था लेकिन खुद आउट होने के बाद बैटिंग का क्रम बदलकर उन्होंने ऋषभ पंत को मैदान में उतारा तो फिर शक की गुंजाइश ही नहीं रही।

पंत के अविजित 89 और शुभमन गिल के 91 रनों का अहम योगदान तो इस जीत में है ही, लेकिन इसकी धुरी निश्चित रूप से चेतेश्वर पुजारा बने, जिन्होंने टूटती पिच पर एक छोर पकड़कर 211 गेंदें खेलीं, जिनमें कई उनके शरीर पर लगीं। बतौर ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और शार्दूल ठाकुर का उदय इस मैच की उपलब्धि है, पर इसकी सबसे बड़ी बात मोहम्मद सिराज के रूप में देश को तेज गेंदबाजी का एक नया सितारा हासिल होना है। नौ स्टार क्रिकेटरों की गैरमौजूदगी में देश की यूथ ब्रिगेड ने इस सीरीज में जो चमक बिखेरी है, उससे भारतीय टीम का उज्ज्वल भविष्य निखर आया है। इसके अलावा इस मैच का एक ऐतिहासिक योगदान यह माना जाएगा कि इसने टेस्ट क्रिकेट को संजीवनी दी है। दर्शकों की नई पीढ़ी ने शायद पहली बार जाना हो कि ऐसा रोमांच और नाटकीयता अन्य किसी भी खेल के लिए दूर की कौड़ी है।

पूतिन मार्का लोकतंत्र पर गहराते सवाल

जिगर डी वाढेर

बार-बार निर्वाचित हो रहे अति लोकप्रिय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के राज में कोई ऐसा भी व्यक्ति है जो उनके लिए खतरा बन सकता है, इसका अंदाजा दुनिया को पिछले हफ्ते तब हुआ जब रूस के एक विपक्षी नेता अलेक्सी नवाल्नी पांच महीने विदेश में बिताने के बाद स्वदेश लौटे और उन्हें एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि रूसी शासन यह बताने की हर संभव कोशिश कर रहा है कि यह कोई खास बात नहीं है और नवाल्नी जैसों की कोई अहमियत नहीं है। नवाल्नी वही शख्स हैं जिन्हें पांच महीने पहले साइबेरिया में जहर देकर मारने की कोशिश की गई थी। कोमा की स्थिति में वह जर्मनी ले जाए गए जहां बड़ी मुश्किल से उनकी जान बचाई जा सकी। पर जान बच गई, और यह संभावना दिखाई देने लगी कि नवाल्नी वापस लौटकर अपनी सत्ताविरोधी राजनीतिक मुहिम को आगे बढ़ा सकते हैं तो रूसी अधिकारियों ने चेतावनी जारी की कि अगर वह रूस लौटे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डरता नहीं हूं

बावजूद इसके, नवाल्नी यह कहते हुए रूस लौटे कि पूतिन से या उनके अधिकारियों से वह नहीं डरते। उन्होंने अपने समर्थकों से भी अपील की कि वे बिना डरे उनसे मिलने आएं। रविवार को जिस फ्लाइट से वह लौट रहे थे, आखिरी पलों में उसकी लैंडिंग की जगह बदल दी गई। एयरपोर्ट से बाहर आने से पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिर भी उनके समर्थकों को काबू में करने के लिए एयरपोर्ट पर रायट पुलिस तैनात करनी पड़ी। ध्यान रहे, नवाल्नी को जहर देने के मामले में भी आरोप यही है कि रूसी सरकार के एजेंटों ने यह काम किया है। सरकार इस आरोप को गलत बताती है। कुछ इस अंदाज में कि नवाल्नी भला इतने महत्वपूर्ण कैसे हो सकते हैं कि सरकार उन्हें मरवाने की कोशिश करे।

खुद पूतिन ने दिसंबर महीने में इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा था, 'उन्हें चाहता कौन है?' पर नवाल्नी और कुछ हों या न हों, एक रूसी नागरिक तो हैं। उनकी हत्या की कोशिश की गई है। इस लिहाज से सरकार की इतनी जिम्मदारी तो बनती ही है कि इस मामले की निष्पक्ष और प्रामाणिक जांच करवा कर दोषियों को उपयुक्त सजा दिलाए और जब तक ऐसा हो नहीं जाता, तब तक इसको लेकर अपनी पूरी प्रतिबद्धता जताए। मगर रूस की पूतिन सरकार की दिलचस्पी हत्या के आरोप की जांच से

ज्यादा विक्टिम को गिरफ्तार करने में है। सबसे बड़ी बात यह कि रूस, खासकर पूतिन के रूस को करीब से देख रहे लोगों को इसमें कुछ भी अस्वाभाविक या असहज नहीं लग रहा।

पिछले करीब दो दशकों से पूतिन ने रूस में जिस तरह के लोकतंत्र की नींव रखी है, उसे पूतिन मॉडल ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में पहचाना जाने लगा है। यह लोकतंत्र का ऐसा मॉडल है जिसमें चुनाव, संविधान, सिविल सोसाइटी, मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी- यानी लोकतंत्र के लिए आवश्यक माने जाने वाले सभी तत्व होते हैं, पर नाम मात्र के लिए। चुनाव समय पर होते हैं,

पर उनके नतीजे इस कदर सुनिश्चित होते हैं कि उन्हें लेकर सत्ताधीश के चेहरे पर कभी शिकन तक नहीं आती। संविधान भी होता है, पर शासक अपनी इच्छा और जरूरत के मुताबिक उसमें संशोधन करवाता चलता है। सिविल सोसाइटी भी इस लोकतंत्र में फलती-फूलती है, शर्त सिर्फ यह होती है कि वह सत्ता के लिए असुविधाजनक न साबित हो। इसका जो हिस्सा सरकार की सुविधाओं का ख्याल नहीं रखता, उसे नष्ट होना पड़ता है। मीडिया के साथ भी यह छोटी सी शर्त लगी होती है कि वह स्वतंत्र दिखे, अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करे, पर सत्ता द्वारा खींची गई अदृश्य लकीरों का पूरा ध्यान रखे, उन्हें पार करने की कोशिश न करे।

1999 में पहली बार सत्ता में आने के बाद पूतिन ने पूरे जतन से अपने सपनों के इस लोकतंत्र की नींव रखी और ईंट-ईंट जोड़ते हुए इसकी ऐसी शानदार इमारत खड़ी की कि दुनिया के अधिकतर सत्ताधीश उन्हें अपना आदर्श मानने लगे। चाहे हंगरी के विक्टर ओरबान हों या तुर्की के अर्दोगान, या तानाशाह बनने की चाहत रखने वाले दुनिया के बाकी तमाम नेता, वे खुलकर यह बात कहें या न कहें, पर सभी रूस के इसी पूतिन मार्का लोकतंत्र की कॉपी करने का प्रयास करते हैं। अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप आखिरी दम तक यही कोशिश करते हुए वाइट हाउस से निकले या निकाले गए। यह देखना दिलचस्प है कि आल्ट राइट, पोस्ट ट्रुथ,

ट्रॉल आर्मी और फेक न्यूज जैसी तमाम प्रवृत्तियां, जिनका उभार दुनिया ने 21वीं सदी के दूसरे दशक के उत्तरार्ध में नोटिस किया, पूतिन के पीछे बीज रूप में कम से कम एक दशक पहले से चमक रही थीं। उनके राजनीतिक विरोधियों की संदिग्ध मौत का सिलसिला 2002-03 से ही शुरू हो जाता है।

खदेड़े वाला भी हांफेला

सबक इस पूरे मामले का यही है कि चाहे जितनी कोशिश कर लें, चैन की सांस तो पूतिन जैसे शासक भी नहीं ले पाते। भोजपुरी की एक कहावत इन मामलों में चरितार्थ होती दिखती है कि खदेड़े वाला भी हांफेला। यानी हांफता तो खदेड़ने वाला भी है। लोकतंत्र के नाम पर जारी इस अलोकतांत्रिक, अन्यायपूर्ण प्रक्रिया को वास्तविक चुनौती लोकतांत्रिक तत्वों से ही मिलती है। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप को हराकर राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले जो बाइडन ने अपने पहले ही भाषण से खुद को ट्रंप का विलोम साबित करने का प्रयास किया। वजह यही है कि वह जानते हैं, ट्रंप को हरा देने के बाद भी ट्रंपवाद उनका पीछा नहीं छोड़ने वाला। पूतिन भले ही इतिहास के इस दुविधापूर्ण दौर के प्रतिनिधि हों, पर इस सचाई से वह भी वाकिफ हैं कि नवाल्नी की निर्भीकता उनके भय आधारित शासन के लिए खतरनाक है। एक राजनीतिक प्रवृत्ति के रूप में यह इतनी संक्रामक है कि एक बार फैल गई तो कोई वैक्सीन काम नहीं आने वाली।

शेयरों में उछाल से मामूली सुकून

भूपेन्द्र पटेल

कोरोना महमारी की वजह से पैदा हुए आर्थिक संकट से क्या हम तेजी से उबरने लगे हैं? गुरुवार को बंबई शेयर सूचकांक आश्चर्यजनक रूप से 50 हजार के आंकड़े के पार चला गया। अपने 145 साल के इतिहास में पहली बार बीएसई ने इस ऊंचाई को छुआ है। दूसरी तरफ, रिजर्व बैंक का मानना है कि देश की जीडीपी दर सकारात्मक होने के करीब है, और वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में यह बढ़कर 0.1 फीसदी हो सकती है। सरकार यह भी मान रही है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 7.7 फीसदी की ही गिरावट हो सकती है, जो पहले 10 फीसदी आंकी गई थी। जाहिर है, ये आंकड़े किसी को भी सुकून दे सकते हैं। मगर इन्हीं आंकड़ों के आधार पर पूरी अर्थव्यवस्था को सेहतमंद बता देना भ्रम पैदा करने जैसा होगा।

सबसे पहले बात शेयर बाजार की। यह लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। अपने यहां अब भी महज तीन फीसदी आबादी इक्विटी म्यूचुअल फंड में पैसे लगाती है। इसकी तुलना यदि अमेरिका जैसे देश से करें, तो वहां शेयर बाजार में लगभग आधी आबादी निवेश करती है। दिक्कत यह भी है कि अपने यहां 0.1 फीसदी कारोबारी ही पूरे शेयर बाजार पर हावी हैं। ये वे लोग हैं, जिनकी कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। जैसे कि तकनीक और प्रौद्योगिकी से जुड़ी कंपनियां, एफएमसीजी यानी उपभोक्ता वस्तु बनाने वाली कंपनियां आदि। इसीलिए शेयर बाजार की इस उछाल को आम लोगों की आर्थिक तरक्की से नहीं जोड़ सकते। सेंसेक्स की इस तेजी की एक वजह और भी है। अब बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों में ब्याज कम हो गए हैं। इनमें ब्याज दरें लगातार घटती गई हैं, जिसके कारण निवेशक नए विकल्प तलाश रहे हैं। रियल एस्टेट उनके निवेश का एक रास्ता जरूर था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उसमें भी मंदी छाई हुई है।

अच्छी बात है कि कोरोना संकट को देखते हुए अमेरिका, यूरोप जैसे देशों के बाजार में वहां के केंद्रीय बैंकों ने तरलता बढ़ाई है। अपने यहां भी नौ लाख करोड़ रुपये की नकदी बाजार में आने की बात कही जा रही है। चूंकि बैंकों की हालत अभी खस्ता है और रियल एस्टेट से आमद कम, इसलिए स्वाभाविक ही शेयर बाजार की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा है।

जनवरी 2020 की तुलना में भी हमारी अर्थव्यवस्था अब भी लगभग 10 फीसदी कम है। लॉकडाउन हटने के बाद कुछ ही कंपनियां खुद को संभाल सकी हैं। विमानन उद्योग, पर्यटन उद्योग, होटल-रेस्तरां आदि की हालत तो अब भी खस्ता है। आकलन यह है कि ऐसी स्थिति अभी एक-डेढ़ साल तक बनी रहेगी। इसका सीधा मतलब है कि इतने दिनों तक बाजार में भी अनिश्चितता बनी रहेगी। उम्मीद जरूर कोरोना टीकाकरण अभियान से है, और माना जा रहा है कि जैसे-जैसे इसमें गति आती जाएगी, अर्थव्यवस्था में सुधार दिखने लगेंगे। मगर टीकाकरण की रफ्तार को देखकर यही कहा जा सकता है कि देश की 60 फीसदी आबादी को टीका लगने में एक साल का वक्त लग जाएगा। यानी बाजार अभी अनिश्चितता में फंसा रहेगा। ऐसे में, शेयर बाजार की यह तेजी इसलिए भी छलावा साबित हो सकती है, क्योंकि अब भी यह ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता कि कोविड-19 संक्रमण की नई लहर अपने यहां नहीं आएगी। कई देशों में कोरोना संक्रमण बढ़ने पर फिर से लॉकडाउन लगाया गया है। इसलिए जब तक हम 'हर्ड इम्यूनिटी' विकसित नहीं कर लेते, बाजार के स्थिर होने का दावा नहीं कर सकते। अपने यहां साल 2007 के दिसंबर में सेंसेक्स पहली बार 21 हजार के पार गया था। उस वक्त दुनिया भर में जबर्दस्त तेजी थी। मगर सब-प्राइम संकट की वजह से जब अमेरिका में प्रॉपर्टी बाजार का गुब्बार फूटा, तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डूब गई। हर देश के शेयर बाजार 50 फीसदी से भी ज्यादा गिर गए। अपने यहां भी तब सूचकांक घटकर 9,000 पर आ गया था। 1990 के दशक के हर्षद मेहता घोटाले ने भी आम लोगों की जमा-पूंजी को डूबा दिया था। इसीलिए शेयर बाजार को असल अर्थव्यवस्था से अलग माना जाता है।

रही बात सकल घरेलू उत्पाद की, तो इसके तिमाही आंकड़े लगातार अच्छी तस्वीर दिखा रहे हैं। यह वाजिब भी है। हमने अब अपने बाजार पूरी तरह से खोल दिए हैं। लॉकडाउन के दौरान देशव्यापी बंदी की जो स्थिति थी, वह अब पूरी तरह से खत्म हो गई है।

ऐसे में, उत्पादन का बढ़ना बिल्कुल स्वाभाविक है, जिसका असर बाजार पर भी दिख रहा है और आंकड़ों में भी। मगर सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में मुख्यत: संगठित क्षेत्र को शामिल किया जाता है। इसमें कृषि को छोड़कर किसी असंगठित क्षेत्र की गिनती नहीं होती। हमारी अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी हिस्सा कृषि का है, जबकि 31 प्रतिशत के करीब हिस्सेदारी गैर-कृषि असंगठित क्षेत्र की है। वित्तीय संस्थाएं यह मान बैठती हैं कि संगठित क्षेत्र की तरक्की के साथ-साथ असंगठित क्षेत्र भी समान गति से आगे बढ़ते हैं। वास्तव में, यह सोच गलत है।

यदि असंगठित क्षेत्र को भी जीडीपी के आंकड़ों में शामिल कर लें, तो अब भी हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक 10 फीसदी होगी और उसकी सालाना गिरावट निगेटिव 29 फीसदी। यह भी इस आधार पर अंदाजा लगाया गया है कि जनवरी में पांच फीसदी की गिरावट के बावजूद फरवरी में हमारी अर्थव्यवस्था साल 2019 के स्तर पर आ जाएगी। असंगठित क्षेत्रों की हालत कितनी बिगड़ी हुई है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि एक महीने पूर्व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की 20 फीसदी इकाइयां अपना कर्ज वापस करने में सक्षम नहीं थीं। इसका अर्थ है कि उनके पास पैसे नहीं हैं, जबकि असंगठित क्षेत्र की बुनियाद पर ही संगठित क्षेत्र आगे बढ़ सकता है। साफ है, दो महीने की तुलना में अभी जीडीपी दर बेशक ज्यादा है, लेकिन साल 2019 के बनिस्बत यह अब भी काफी कम है। लॉकडाउन के समय हमारे यहां उत्पादन में लगभग 75 फीसदी की गिरावट आई थी, और यह अब भी 10 फीसदी कम है। इसलिए अगले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में हम अप्रत्याशित वृद्धि भी देख सकते हैं। लेकिन इसको अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर तो नहीं ही कहेंगे।

धारावी में महीने में दूसरी बार जीरो कोविड-19 केस, यहीं पर मिला था देश का पहला कोरोना मरीज

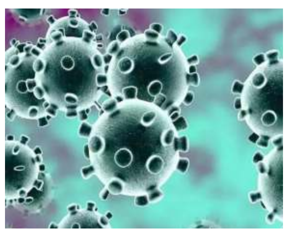

- मुंबई के धारावी में महीने में दूसरी बार शुक्रवार 22 जनवरी को कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला है।
- इससे पहले 25 दिसंबर को भी धारावी में एक भी मामला सामने नहीं आया था।
- 1 अप्रैल 2020 को कोरोना का पहला मरीज धारावी में ही मिला था।
- दादर में 21 जनवरी को कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला था। 16 जनवरी को धारावी में सिर्फ 1 केस मिला

मुंबई, एक महीने के भीतर दूसरी बार धारावी में कोरोना का कोई नया केस नहीं मिला है। इससे पहले 25 दिसंबर को धारावी में कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला था, जबकि 1 अप्रैल 2020 को धारावी में कोरोना का पहला मरीज मिला था। जी/ नॉर्थ वॉर्ड के तहत धारावी, दादर एवं माहिम में लगातार सिंगल डिजिट में कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं।

दादर में 21 जनवरी को कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला था। 16 जनवरी को धारावी में सिर्फ 1 केस मिला था। इसी तरह 4 जनवरी को माहिम में कोरोना का जीरो केस मिला था। इससे पहले 26 दिसंबर 2020 को दादर में भी कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला था। वॉर्ड के असिस्टेंट कमिश्नर किरण दिघावकर ने कहा कि यहां लंबे समय से सिंगल डिजिट में कोरोना के केस सामने आ रहे हैं।

धारावी के बाद दादर एवं माहिम में भी जीरो केस सामने आ चुके हैं। बता दें कि जी/ नॉर्थ वॉर्ड में कोरोना मरीजों की कुल संख्या 13 हजार 535 तक पहुंच चुकी है। इनमें से 12713 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि ऐक्टिव मरीजों की संख्या सिर्फ 193 है। इसमें धारावी में सिर्फ 10 ऐक्टिव मरीज हैं। बता दें कि 3 मई को धारावी में एक दिन में सर्वाधिक 94 कोरोना के केस सामने आए थे।

इसके बाद बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल के नेतृत्व में यहां ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रैकिंग व ट्रीटमेंट पर जोर दिया गया। आखिरकार धारावी में कोरोना को मात देने में बीएमसी को सफलता मिली।

नितिन राउत का भाजपा पर निशाना, कहा बीजेपी को नेताजी की जयंती मनाने का अधिकार नहीं

मुंबई, महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता और राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने शुक्रवार को भाजपा पर पाखंड करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह पश्चिम बंगाल में इस वर्ष होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मना रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के एससी विभाग के अध्यक्ष राउत ने कहा कि नेताजी की जयंती मनाकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दे सकती क्योंकि वे उनके धर्मनिरपेक्ष विचार और क्रांति के खिलाफ थे। भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती समिति का गठन किया है और 23 जनवरी को एक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। राउत ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कुछ लोगों ने अचानक रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाषचंद्र बोस को याद करना शुरू कर दिया। भाजपा के पास सुभाष बाबू की जयंती मनाने का नैतिक अधिकार नहीं है।''

प्रमोद मिश्रा को मुंबई भाजपा कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।

गणेश पाण्डेय । मुंबई तरंग

प्रमोद मिश्रा को भाजपा मुम्बई कार्यसमिति सदस्य पद का दायित्व मुंबई भाजपा अध्यक्ष मंगल प्रसाद लोढा द्वारा दिया गया है इसके अलावा मिश्रा भारतीय जनता पार्टी धार्मिक एवं आध्यत्मिक प्रकोष्ठ का सहप्रभारी भी नियुक्त किए गये है। जिस पर उत्तर भारतीयों जनमानस मे खुशी की लहर दौड़ गयी और मिश्रा को बधाइयाँ का तातां लगा रहा। प्रमोद मिश्रा को नियुक्त पत्र भाजपा मुम्बई अध्यक्ष,आमदार मंगलप्रसाद लोढ़ा द्वारा दिया गया

इस अवसर पर मुम्बई उपाध्यक्ष पवन त्रिपाठी मुम्बई उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह एवं सभी शीर्ष नेता उपस्थित थे और मिश्रा को धन्यवाद अग्रेषित किया 1 इस नियुक्ति पर भाजपा नेता संजय उपाध्याय, अमरजीत मिश्रा, विनोद मिश्रा, संतोष पांडेय, आर यू सिंह, आरडी यादव, अजय शुक्ला, महेंद्र उपाध्याय, गौरी शंकर चौबे, अमित सिंह, कमलेश शुक्ला, चंद्रमोहन शुक्ला, शैलेन्द्र दुबे, ब्रह्मदेव तिवारी,उत्तम शुक्ला, श्याम गुप्ता, राजेश दुबे, रवि दुबे, सुभ्रांशु दीक्षित, राम यादव, राजीव मिश्रा, यदुवंश सिंह, बलवंत वर्मा, वीरेंद्र दुबे , मनोज जैसवाल, और भारी संख्या में नेता व कार्यकर्ताओं ने उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं मिश्रा को ज्ञापित किया।

मुंबई में एक युवक को अपराधियों ने लाठी-डंडों से पीटा

सीसीटीवी में कैद इन तस्वीरों को देखकर किसी का भी दिल दहल उठेगा। इन तस्वीरों में एक शख्स को कई अपराधी किस्म के लोग मिलकर बेतहाशा लाठी-डंडों से पीट रहे हैं। कुछ लोग बीच बचाव करने की भी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन गुंडों का खौफ इतना ज्यादा है कि कोई इन्हें रोकने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है।

वहीं मार खाने वाला युवक लगातार रहम की भीख मांग रहा है। लेकिन इन गुंडों ने उसे लगातार पीटना जारी रखा है। इन तस्वीरों को देखकर एक बात यह भी साफ हो जाती है कि इन गुंडों के अंदर कानून का कोई भी खौफ नहीं है। अगर डर होता तो यह इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने के पहले 100 बार सोचते। यह घटना मुंबई के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की हद में आती है।

पुलिस के मुताबिक यह घटना 11 जनवरी रात 8 बजे की है। अकरम नाम के एक शक्श को कई लोग बुरी तरह लात, घूसे और डंडे से पीट रहे हैं। युवक अधमरा होकर गली में गिर जाता है। उसके बाद भी आरोपी उसे बुरी तरह पीटते रहते हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी और पीड़ित युवक एक ही इलाके में रहते है। एक दूसरे से परिचित हैं और घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नही है।

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद पीड़ित युवक बेहद डर गया था। वो मुंबई छोड़कर कही चला गया है। उसने उस वक़्त कोई शिकायत नही दर्ज कराई थी।

हालांकि पुलिस ने वायरल सीसीटीवी के आधार पर अब पीड़ित युवक के पिता के बयान के आधार पर 6 लोगों के खिलाफ आइपीसी की धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

बीपीटी की जमीन पर बने चॉल व झोपड़ों को पानी देगी BMC

मुंबई, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (बीपीटी) की जमीन पर बने झोपड़ों व चॉल में अब बीएमसी की पानी आपूर्ति होगी। इससे भायखला, शिवडी, डॉकयार्ड रोड, वडाला व माटुंगा तक बीपीटी की जमीन पर बसे लाखों लोगों को फायदा होगा। बीएमसी इन इलाकों में अवैध पानी की पाइपलाइन निकाल कर वहां नई पाइपलाइन डालेगी, जिससे लोगों को पानी आपूर्ति की जाएगी। यहां रहने वाले वर्षो से पानी माफिया व टैंकर लॉबी से परेशान थे।

स्थानीय नगरसेवक सचिन पडवल ने कहा कि मुंबई में म्हाडा की जमीन बनी चॉल में बीएमसी की तरफ से पानी आपूर्ति होती है, लेकिन बीपीटी की जमीन पर बनी चॉल में बीएमसी की पानी आपूर्ति नहीं होती थी। यहां एक प्राइवेट कंपनी के लिए सिर्फ बीएमसी पानी की सप्लाई करती थी। यह कंपनी काफी समय पहले बंद हो गई है, इसके बावजूद पानी आपूर्ति करनेवाली पाइपलाइन से अवैध तरीके से पानी की चोरी होती है। इस पानी का बिल बीएमसी , बीपीटी को भेजती है, लेकिन बीपीटी बिल नहीं भरती है। इसलिए वर्षों से पानी बिल का बकाया है।

बीपीटी की जमीन पर करीब 15 हजार घर, अनेक गोदाम और सर्विस सेंटर है। जहां अवैध तरीके से पानी की आपूर्ति की जाती है। यहां पानी की नई पाइपलाइन डाल कर बीएमसी लोगों को वैध तरीके से पानी की आपूर्ति करेगी जिससे बीएमसी को करीब 15 से 20 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। म्हाडा, बीपीटी, बेस्ट व पीडब्ल्यूडी विभाग की जमीन पर चॉल व झोपड़ों सहित इस परिसर के केंद्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों और अधिकारियों की कॉलोनी में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बीएमसी प्रशासन ने एक परिपत्रक निकाल कर परिमशन दिया है। इसी आधार पर बीएमसी जल विभाग ने बीपीटी की जमीन पर पानी की नई पाइपलाइन डालने के लिए टेंडर मंगाया है। इसके लिए 11 करोड़ 22 लाख रुपये का अनुमानित खर्च है।

हिमालय ब्रिज का काम अप्रैल से शुरु करने की तैयारी

मुंबई, मार्च 2019 में गिरे हिमालय ब्रिज के पुनर्निर्माण का काम बीएमसी अप्रैल 2021 से शुरू करने की तैयारी कर रही है। सीएसएमटी के प्लैटफॉर्म नंबर एक को जोड़ने वाले इस ब्रिज को बनाने के लिए बीएमसी मार्च के अंत तक कॉन्ट्रेक्टर के साथ सभी औपचारिकताएं पूरी कर काम शुरू कर देगी। यानी गिरने के दो साल बाद इस ब्रिज के दोबारा निर्माण का कार्य शुरू होगा। इस ब्रिज को बनाने में 12 से 15 महीने का समय लग सकता है। बीएमसी को उम्मीद है कि दिसंबर 2021 से जून 2022 तक यह ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण में 6.40 करोड़ से 7 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है।

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि कॉन्ट्रेक्टर को जल्द से जल्द तय कर मार्च के अंत तक वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाए। इससे अप्रैल में ब्रिज का काम शुरू हो सकेगा। अधिकारी ने बताया कि जून से मॉनसून शुरू हो जाएगा, इसलिए काम पूरा करने के लिए कम से कम पंद्रह महीने का समय लग सकता है। इसलिए हिमालय (फुटओवर ब्रिज) का काम वर्ष 2022 में ही पूरा होने की उम्मीद है।

बदला गया है ब्रिज का डिजाइन

अधिकारी ने बताया कि हमने हेरिटेज डिपार्टमेंट द्वारा दिए गए सुझाए के अनुसार, ब्रिज के डिजाइन में परिवर्तन भी किया है। हमारी कोशिश होगी कि ब्रिज निर्माण के दौरान यातायात पर ज्यादा असर न पड़े। ब्रिज के निर्माण के समय सबसे ज्यादा प्रभावित होनेवाले डीएन रोड को भी गाड़ियों की आवाजाही के लिए बंद नहीं किया जाएगा। ट्रैफिक को थोड़ा सा डायवर्ट किया जा सकता है।

अंतिम चरण में कॉन्ट्रेक्ट का काम

इस ब्रिज का निर्माण स्टील से किए जाने की योजना है। यह ब्रिज 30 मीटर लंबा और 9 मीटर चौड़ा होगा। बीएमसी ने ब्रिज पर तीन एंट्री व एक्जिट पॉइंट बनाने का फैसला किया है। बीएमसी ब्रिज डिपार्टमेंट के चीफ इंजिनियर राजेंद्र कुमार तलकर ने कहा कि कॉन्ट्रेक्ट का प्रॉसेस अंतिम चरण में है। हमारी कोशिश है कि सभी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरी कर ली जाएं, जिससे जल्द ही ब्रिज का काम शुरू हो सके और यह समय पर बनकर तैयार हो जाए।

ब्रिज गिरने से हुई थी सात लोगों की मौत

बता दें कि मार्च 2019 में हिमालय ब्रिज अचानक धरासायी हो गया था। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसके बाद बीएमसी ने मुंबई के सभी पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया था।

TRP Case: BARC के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में टाइम्स नेटवर्क

मुंबई, टीआरपी में हेरफेर के केस में मुंबई पुलिस की ओर से ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) की भूमिका सवालों के घेरे में खड़े किए जाने के बाद अब टाइम्स नेटवर्क/बेनेट कोलमैन ऐंड कंपनी लिमिटेड (बीसीसीएल) बार्क पर कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है। इसी के साथ इस घपले में शामिल रहे लोगों के खिलाफ भी उचित कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। बीसीसीएल का अंग्रेजी न्यूज चैनल 'टाइम्स नाउ' टाइम्स नेटवर्क के तहत चल रहा है और इसके व्यूअरशिप डेटा के लिए वह बार्क का ग्राहक है।असल में साल 2017 से, जबसे कि रिपब्लिक टीवी लॉन्च हुआ था, बीसीसीएल/टाइम्स नेटवर्क बड़े पैमाने पर टीआरपी में हेरफेर का शक जताता आ रहा है।

इसमें अवैध तरीके से रिपब्लिक की ओर से एक से ज्यादा लॉजिकल चैनल नंबर (एलसीएन) का इस्तेमाल, इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम गाइड (ईपीजी) से इतर इस्तेमाल शामिल है।

2 साल तक लगातार बार्क से की शिकायतें, पर नहीं हुआ ऐक्शन

टाइम्स नेटवर्क ने मार्केट के लिहाज से भी उस चैनल की रेटिंग में गड़बड़ियां पाईं जो इस बात का संकेत था कि जमीनी स्तर पर मूल डेटा से छेड़छाड़ करके उस चैनल को फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

टाइम्स नेटवर्क लगातार दो साल तक बार्क से इन अनियमितताओं की शिकायत करता रहा मगर कभी कोई समाधान नहीं निकाला गया। सिर्फ कोरे जवाब मिले।

बार्क ने जानबूझकर घटाई थी टाइम्स नाउ की रेटिंग

वहीं मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर (क्राइम) ने बार्क टीआरपी घोटाले के संबंध में 25 दिसंबर 2020 को प्रेस में जो बयान जारी किया, उससे साफ है कि 2017/18 में रिपब्लिक टीवी को फायदा पहुंचाने के लिए बार्क के अधिकारियों की हेराफेरी के सबूत सामने आ चुके हैं।

बार्क की जुलाई 2020 की फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट और उस दौर के कई ईमेल और वॉट्सऐप चैट जो पुलिस के हाथ लगे हैं, उनसे साफ होता है कि टाइम्स नाउ की टीआरपी को बार्क के अधिकारियों ने पब्लिश करने से पहले जानबूझकर इंसानी दखल के जरिए घटाया था।

टाइम्स नाउ था नंबर वन लेकिन....

पार्थो दासगुप्ता और रोमिल रामगढ़िया की अगुआई वाले बार्क ने अंग्रेजी न्यूज चैनलों की श्रेणी में फर्जी तरीके से रिपब्लिक टीवी को नंबर 1 घोषित किया। जबकि वास्तव में टाइम्स नाउ बराबर बड़े मार्जिन के साथ आगे बढ़ रहा था और अंग्रेजी न्यूज चैनलों में अविवादित रूप से नंबर वन पर था।

टाइम्स नेटवर्क को भारी वित्तीय नुकसान

इस पूरे घपले से टाइम्स नेटवर्क को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। इस पूरे मामले ने बार्क के मौजूदा बोर्ड और मैनेजमेंट के तौर तरीकों और नैतिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ऐसे बोर्ड और मैनेजमेंट को बने रहना चाहिए।

टाइम्स नेटवर्क ने बीते कई हफ्तों में बार्क की ओर से इस मसले पर आधिकारिक बयान लेने की कोशिशें कीं मगर जवाब नहीं मिला। ऐसे में टाइम्स नेटवर्क/बीसीसीएल अपनी शिकायतों की अनसुनी होने और खुद को पहुंचे नुकसान के खिलाफ हर संभव कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

झूठा आरोप लगाने वाली पीड़िता के खिलाफ मामला दर्ज करे मुंबई पुलिस: चित्रा वाघ

मुंबई, महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज करवाने वाली महिला ने अपनी कंप्लेंट वापस ले ली है। इस मामले में अब पीड़िता की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही है। कल तक पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए मैदान में उतरने वाली बीजेपी ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। महाराष्ट्र बीजेपी की उपाध्यक्ष चित्रा वाघ ने मुंबई पुलिस से मांग की है कि पीड़िता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर पीड़िता ने झूठी शिकायत दर्ज करवाई है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। किसी के खिलाफ आरोप लगा देने से उस व्यक्ति का जीवन तहस-नहस हो जाता है। उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती हैं। ऐसे में झूठी शिकायत करने वाले लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

धनंजय मुंडे के खिलाफ रेप की शिकायत वापस

महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ दर्ज करवाई गई बलात्कार की शिकायत को पीड़िता ने वापस ले लिया है। यह शिकायत 10 जनवरी को मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई थी। इस मामले में जांच अधिकारी ने पीड़िता को एक हलफनामा देने के लिए भी कहा है ताकि बाद में बयान से मुकरा ना जा सके। राजनीतिक विरोध के बाद शिकायत वापस पीड़िता ने कहा कि धनंजय मुंडे के खिलाफ हुई यह शिकायत जब मीडिया में आने की शुरुआत हुई। तब कई सारे विरोधी राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी अपनी खुन्नस निकालना शुरू किया। जिसकी वजह से धनंजय मुंडे के खिलाफ मैं अपनी शिकायत वापस ले रही हूं। आपको बता दें कि पीड़िता ने पुलिस को अपने बयान में बताया था उसकी बहन और मंडे के बीच में रिश्ते बहुत अच्छे नहीं चल रहे थे जिसकी वजह से वह काफी तनाव में भी रहती थी। मुंडे ने सहमति से पीड़िता की बहन से रिश्ते बनाए थे और उनसे उनके दो बच्चे भी हैं। बीजेपी ने मुंडे से मांगा था इस्तीफा शिकायत के बाद भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस और ने धनंजय मुंडे का इस्तीफा मांगा था। अब जब पीड़िता ने अपनी शिकायत वापस ले ली है।

सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से कार्य करना चाहिए: हाई कोर्ट

मुंबई, गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका और आरबीआई, सीबीआई तथा ईडी जैसी एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से कार्य करना चाहिए। हाई कोर्ट ने पूछा कि 2016 के एक कथित जमीन हड़पने के मामले में राकांपा नेता एकनाथ खडसे को कुछ दिनों के लिए अगर सख्त कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण दे दिया जाता है, तो क्या आसमान गिर जाएगा?

न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति मनीष पितले की खंडपीठ खडसे द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले साल अक्टूबर में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। खडसे के वकील आबाद पोंडा ने पीठ से याचिका की सुनवाई लंबित होने तक राज्य के पूर्व राजस्व मंत्री को किसी भी सख्त कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण देने का अनुरोध किया। ईडी के वकील अनिल सिंह ने पीठ को बताया कि एजेंसी सोमवार (25 जनवरी) तक कोई कार्रवाई नहीं करेगी। पीठ ने यह जानने की कोशिश की कि ईडी केवल सोमवार तक संरक्षण प्रदान करने पर जोर क्यों दे रहा है। पीठ अब मामले की अगली सुनवाई सोमवार को करेगी।

न्यायमूर्ति शिंदे ने कहा, 'अगर याचिकाकर्ता को कुछ और दिनों के लिए संरक्षण दिया जाता है, तो कौन सा आसमान गिरने वाला हैं? हम हमेशा से मानते हैं कि न्यायपालिका और आरबीआई, सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। अगर ये एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम नहीं करती हैं तो लोकतंत्र के लिए खतरा है।' बता दें कि पिछले साल भाजपा छोड़कर राकांपा में शामिल होने वाले खडसे (68) कथित जमीन हड़पने के मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए इस साल 15 जनवरी को ईडी के सामने पेश हुए थे। ईडी ने उनके खिलाफ समन जारी किया था।

पीठ ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता जांच में सहयोग कर रहा है और पूछताछ के लिए एजेंसी के समक्ष भी उपस्थित हुआ है। पीठ ने कहा, 'अगर कोई व्यक्ति जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है तो हम पूछते हैं कि ऐसे में गिरफ्तारी की क्या जरूरत है?' ईडी ने आरोप लगाया कि खडसे ने 2016 में राज्य के राजस्व मंत्री के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। एजेंसी ने यह भी कहा कि वह मामले में धन शोधन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

जर्मन वैज्ञानिकों ने ईजाद की नई जीन थेरेपी, बिस्तर पर पड़े लकवाग्रस्त मरीज फिर लगेंगे दौड़ने

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण जगी है। जर्मन शोधकर्ताओं ने एक ऐसी जीन थेरेपी ईजाद करने का दावा किया है, जो महज दो से तीन हफ्ते में उनकी रीढ़ की हड्डी की बेजान नसों में जान भर देगी।

रुर यूनिवर्सिटी बोशम की

तकनीक एक डिजाइनर प्रोटीन पर आधारित है। चूहों पर शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने उनके 'मोटर सेंसरी कॉर्टेक्स' में मौजूद कोशिकाओं को 'हाइपर-इंटरल्युकिन-6' प्रोटीन पैदा करने के लिए प्रेरित किया। इस बाबत चूहों को अनुवांशिक रूप से संवर्द्धित वायरस का इंजेक्शन लगाया गया। यह वायरस कोशिकाओं को प्रोटीन के उत्पादन को बढ़ावा देने वाली प्रक्रिया से रूबरू कराता था।

मुख्य शोधकर्ता दायत्मर फिशर के मुताबिक 'हाइपर-इंटरल्युकिन-6' प्रोटीन धीरे-धीरे रीढ़ की हड्डी में मौजूद तंत्रिका तंतु 'एक्जॉन' में आए विकार को दूर करने लगा। इससे चूहे दो से तीन हफ्ते के भीतर फिर पहले जैसी फूर्ति के साथ दौड़ाने लगे, जबकि इंजेक्शन लगाने से पहले उनके दोनों पैर पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिए गए थे।

'एक्जॉन' त्वचा, मांसपेशियों और मस्तिष्क के बीच संदेशों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करते हैं। चोट या फिर किसी अन्य कारण से इनके निष्क्रिय पड़ने से कोशिकाओं के बीच संवाद ठप पड़ जाता है। 'एक्जॉन' के दुरुस्त न होने पर व्यक्ति को लकवा मारने की शिकायत हो सकती है।

'हाइपर-इंटरल्युकिन-6' क्षतिग्रस्त 'एक्जॉन' की मरम्मत के लिए जरूरी एक ऐसा प्रोटीन है, जो प्राकृतिक रूप से पैदा नहीं होता। रीढ़ की हड्डी में इसका उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों को जेनेटिक इंजीनियरिंग तकनीक से तैयार खास वायरस का सहारा लेना पड़ता है।

शोधकर्ताओं ने दावा किया कि नई जीन थेरेपी न सिर्फ रीढ़ की हड्डी, बल्कि मस्तिष्क में मौजूद तंत्रिका तंतुओं को भी सक्रिय करने में कारगर है। ये तंतु हाथ-पैर में हरकत पैदा कर चलने-फिरने की क्षमता निर्धारित करते हैं। अब यह तकनीक इनसानों पर आजमाने की तैयारी चल रही है।

ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने कुछ महीने पहले एक विशेष पट्टी

सोनल झालावाड़िया

तैयार की थी, जो कंधे की कमजोर हो चुकी मांसपेशियों की मरम्मत में सक्षम है। उन्होंने दावा किया था कि यह पट्टी 15 दिनों में लकवाग्रस्त मरीजों के हाथों में जान लौटा देगी। डाक टिकट के आकार की इस पट्टी को सर्जरी के जरिये कंधे में प्रतिरोपित किया जाता है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने इस के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है।

'फील गुड' के लिए झूठी हंसी भी चलेगी, स्ट्रेस हार्मोन का घटता है उत्पादन

मन उदास है तो परेशान मत होइए। चेहरे पर एक छोटी-सी मुस्कान लाइए, फिर चाहे वो झूठी ही क्यों न हो। आपको खुद बखुद 'फील गुड' होने लगेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया का हालिया अध्ययन तो कुछ यही बयां करता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक हंसी की ताकत को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। इनसान चाहे स्वाभाविक रूप से हंसे या फिर चेहरे पर खुशी का भाव लाने के लिए उसे मशक्कत करनी पड़े, दोनों ही सूरतों में मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अध्ययन के नतीजे

'जर्नल एक्सपेरिमेंटल साइकोलॉजी' के हालिया अंक में प्रकाशित किए गए हैं।

मुख्य शोधकर्ता डॉ. फर्नांडो मारमोलेजो-रामोस ने बताया कि हंसने-मुस्कराने से गालों में मौजूद कुछ खास मांसपेशियां हरकत में आ जाती हैं। ये मस्तिष्क के 'एमिगडाला' भाग को सक्रिय करती हैं, जो 'भावनाओं का केंद्र' कहलाता है।

'एमिगडाला' उच्च मात्रा में 'सेरोटोनिन', 'एंडॉर्फिन' और 'डोपामाइन' जैसे 'फील गुड' हार्मोन का स्राव करने लगता है। इससे दर्द और तनाव का एहसास तो घटता ही है, साथ ही जीवन से संतुष्टि का भाव भी पैदा होता है। हंसी से ढलती उम्र के निशान छिपाने में भी मदद मिलती है। आसपास मौजूद लोग व्यक्ति की उम्र को कम करके आंकते हैं।

फर्नांडो ने कहा कि नया अध्ययन तनाव प्रबंधन और डिप्रेशन के इलाज में 'स्माइल थेरेपी' की उपयोगिता की पुष्टि करता है। इनसान जबरन हंसे तो भी मस्तिष्क को महसूस होता है कि सबकुछ ठीक है। इससे वह स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन धीमा कर देता है।

अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों

संजय शर्मा

को दांतों के बीच में पेन कुछ इस तरह से दबाने का निर्देश दिया गया कि होंठ पेन को न छुएं। इससे गालों की मांसपेशियां सक्रिय हो गईं। उनके मस्तिष्क में 'फील गुड' हार्मोन का स्राव बढ़ गया, जिससे वे हर चीज के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते नजर आए।

बालों में गुनगुना तेल लगाने के फायदे, जानें आयुर्वेद के अनुसार क्या है हेयर ऑयलिंग का सही तरीका

सर्दियों के मौसम में हेयर केयर किसी चुनौती से कम नहीं है क्योंकि ठंड की वजह से बाल न सिर्फ रूखे बेजान हो जाते हैं बल्कि इसमें डैंड्रफ की समस्या भी बढ़ जाती है। आयुर्वेद में केवल जड़ी-बूटियों के गुण ही नहीं बल्कि खान-पान और रहन-सहन के बारे में भी बहुत कुछ लिखा गया है। आज हम आपको आयुर्वेद के अनुसार बालों में तेल लगाने के फायदे और इसका सही समय बताएंगे। 'चम्पी' या सिर की मालिश की प्रथा पीढ़ियों से चलती आ रही है और हम में से बहुत सारे लोग बालों को धोने से पहले सिर की मालिश करते हैं। माना जाता है कि बालों में तेल

लगाने से, बालों को समय से पहले सफ़ेद होने से रोका जा सकता है, इससे बालों की जड़ मजबूत होती है और प्रेशर पॉइंट्स पर मालिश करने से तनाव कम होता है।

-आयुर्वेद के अनुसार सिरदर्द वात से जुड़ा होता है। इसलिए शाम 6 बजे बालों में तेल लगाना चाहिए। दिन का यह समय वात दूर करने के लिए बेहतर होता है।

-आप बालों में शैंपू करने से पहले भी हफ्ते में एक या दो बार तेल लगा सकते हैं। हालांकि बालों को धोने के बाद तेल लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे बालों में धूल और मिट्टी की समस्या हो सकती है।

-बालों में नियमित तेल लगाने से स्कैल्प में रुसी और खुजली की समस्या दूर हो जाती है। तेल में नीम की पत्तियां डालकर गर्म कर लें और नहाने से पहले इसे स्कैल्प में अच्छी तरह लगाएं। इसके बाद गुनगुने पानी से बालों को धो लें। रुसी की समस्या से पूरी तरह छुटकारा मिल जाएगा।

-रात में सोने से पहले अपने बालों और स्कैल्प में अच्छी तरह तेल लगाना चाहिए। अगली सुबह गुनगुने पानी से बालों को धो लेना चाहिए।

-रात में सोने से आधे घंटे पहले बालों में तेल लगाकर हल्के हाथों से मसाज करने से अच्छी नींद आती है।

यूरिक एसिड के बढ़ने का क्या है मतलब और किन लक्षणों से होती है पहचान, जानें कंट्रोल करने के तरीके

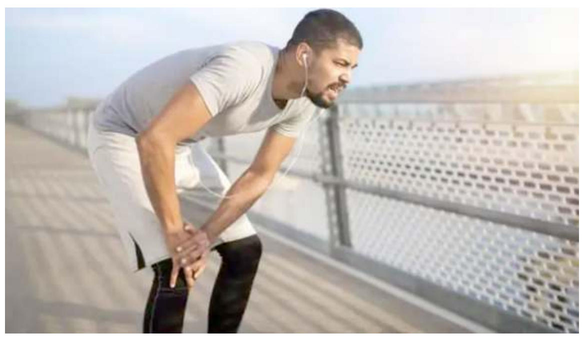

ठंड में कई लोगों के साथ अक्सर ऐसा होता है कि उन्हें टॉयलेट तो लगता है लेकिन जब वो वाशरूम जाते हैं, तो उन्हें मूत्र करने में परेशानी होती है। जिसकी वजह से उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द और सूजन भी हो जाती है। इसका एक कारण यह भी होता है कि शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। आइए, सबसे पहले जानते हैं कि क्या होता है यूरिक एसिड-

क्या होता यूरिक एसिड

यूरिक एसिड शरीर के सेल्स और हमारे आहार से बनता है। शरीर में यूरिक एसिड हमेशा होता है, यह यूरिन के जरिए शरीर से निकलता है। आमतौर पर किडनी यूरिक एसिड को फिल्टर कर देती है और यह टॉयलेट के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। लेकिन जब शरीर में यूरिक एसिड ज्यादा बनने लगता है या किडनी फिल्टर नहीं कर पाती तो खून में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है। जो हड्डियों के बीच में जमा हो कर दर्द पैदा करता है। यूरिक एसिड के बढ़ने को Hyperuricemia भी कहा जाता है। इससे Gout नाम की बीमारी लग सकती है जिससे जोड़ों में दर्द उठता है। यह आपके खून और यूरिन को काफी एसिडिक भी बना सकता है।

यूरिक एसिड बढ़ने के कारण

-जेनेटिक्स

-गलत डाइट या खान-पान

-रेड मीट, सी फूड, दाल, राजमा, पनीर और चावल जैसे खाने से भी यह बढ़ सकता है।

-अधिक समय तक खली पेट रहना भी एक कारण हो सकता है।

-डायबिटीज के मरीजों को हो सकता है यूरिक एसिड

-मोटापा

-स्ट्रेस

क्या है मुख्य लक्षण

-जोड़ों में दर्द होना। उठने-बैठने में परेशानी होना।

-उंगलियों में सूजन आ जाना

-जोड़ों में गांठ की शिकायत होना

-इसके अलावा पैरों और हाथों की उंगलियों में चुभन वाला दर्द होता है जो कई बार असहनीय हो जाता है। इसमें आदमी ज्यादा जल्दी थक भी जाता है। इसलिए इन -लक्षणों को नजरअंदाज ना करें।

-टॉयलेट करने में परेशानी या इसके तुंरत बाद पेट के आसपास दर्द, जलन।

यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का तरीका

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए फिजिकली फिट रहें। इसके लिए एक्सरसाइज करें, योग करें या सैर पर जाएं।

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए शरीर में पानी की कमी न होने दें। खूब पानी पिएं।

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करना है, तो अपने आहार पर खास ध्यान दें। प्यूरीन प्रोटीन युक्त भोजन को डाइट में शामिल न करें।

-अपने आहार में ज्यादा अंतराल न डालें। हर दो घंटे में कुछ हेल्दी खाते रहें।

-अपने डॉक्टर से बात करें और अपने शरीर की जरूरतों के मुताबिक उनसे सलाह लें।

जीवनसाथी दे साथ तो रंग लाएगी डाइटिंग, घटा सकते हैं तीन गुना तक वजन

पेट और कमर के आसपास जमी चर्बी से परेशान हैं? मोटापे पर काबू पाने के लिए डाइटिंग से लेकर एक्सरसाइज तक सब आजमाने की ठान ली है? अगर हां तो अपने जीवनसाथी को भी वजन घटाने की इस मुहिम में शामिल करें। आपको मोटापे से छुटकारा मिलने की गुंजाइश तीन गुना बढ़ जाएगी। नीदरलैंड स्थित एम्सटर्डम यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज का हालिया अध्ययन तो कुछ यही बयां करता है। शोधकर्ताओं ने हार्ट अटैक से उबरे एक हजार से अधिक मरीजों की दिनचर्या में कुछ बदलाव किए, ताकि उनका हृदय दोबारा सामान्य रूप से काम करने लगे। इन बदलावों में फास्टफूड और तैलीय भोजन रहित स्वस्थ खानपान अपनाने के साथ नियमित रूप से योग-अध्यात्म का अभ्यास करना और सिगरेट-शराब का सेवन छोड़ना शामिल था। प्रतिभागियों के जीवनसाथी को भी अध्ययन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया गया। चार हफ्ते बाद शोधकर्ताओं ने वजन घटाने के मिशन में सभी प्रतिभागियों की सफलता दर आंकी।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपकी ज्यादातर परेशानियां इस सप्ताह में दूर होने वाली है। इसलिए अब निश्चिंत हो जाइए। पैसों की आवक होगी। नए कार्यो से पैसा कमाने की स्थितियां बनेंगी। जो युवा कोई नया काम प्रारंभ करना चाहते हैं इस सप्ताह जरूर करें। नौकरीपेशा के कार्य की प्रकृति में बदलाव संभव है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन सुखद रहेगा।

वृषभ : आर्थिक स्थिति में मजबूती की ओर अग्रसर होंगे। पुराने कार्यो से, पुराने निवेश से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी और व्यापार-व्यवसाय में तरक्की के योग हैं। पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ा सकता है।

मिथुन : सप्ताह संयम और धैर्य रखें। सारे काम व्यवस्थित रूप से संपन्न होने जा रहे हैं। परिवार के साथ सुखद और मनोरंजक समय व्यतीत करेंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं को समझें, कद्र करें। प्रियजन से भेंट होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहने से मन भी प्रसन्न रहेगा।

कर्कः मानसिक उतार-चढ़ाव का दौर कुछ कम होगा लेकिन अभी भी आपको किसी खास बात की चिंता रह सकती है। हालांकिइस सप्ताह आपको बहुत सारी परेशानियों से छुटकाया मिलेगा। नौकरीपेशा को प्रमोशन मिलने के चांस हैं। कारोबारियों को बिजनेस में लाभ होगा। पारिवारिक विवाद सुलझ जाएंगे।

सिंह : आत्मविश्वास और संयम में वृद्धि का लाभ आपको तरक्की के रूप में मिलेगा। किसी भी कार्य को दोगुनी गति से पूरा करने की क्षमता आएगी। मन प्रसन्न रहेगा। किसी नए कार्य की रूपरेखा बनेगी। बिजनेस में विस्तार करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। युवाओं को जॉब ऑफर आएगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनेगी।

कन्या : अपने कार्यो को गति देने के लिए सबको साथ लेकर चलना होगा। जीवनसाथी के साथ किसी मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। शारीरिक रोग दूर होने से मन भी प्रसन्न रहेगा। नौकरीपेशा के लिए सप्ताह सामान्य है। बिजनेस में भी स्थिरता आएगी। आर्थिक मजबूती रहेगी।

तुला : सप्ताह की शुरुआत यात्रा से होगी। धार्मिक आध्यात्मिक कार्यो में मन लगेगा। इस सप्ताह पैसों का आगमन भली प्रकार से होगा। संपत्ति या शेयर में किया हुआ निवेश लाभ देगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर पैसा खर्च करेंगे। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। खासकर सिरदर्द, माइग्रेन के रोगी परेशान रहेंगे। संतान के कार्य उत्तम होंगे।

वृश्चिक : इस सप्ताह अपने अहंकार को निजी रिश्तों के बीच न आने दें वरना रिश्ते खराब हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ चल रहा मनमुटाव कुछ कम होगा लेकिन पूरी तरह दूर नहीं होगा। भाई-बहनों से संपत्ति को लेकर चल रहे विवादों का निपटारा होगा। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार आएगा। नौकरी में कोई दिक्कत आ सकती है।

धनु : आपके कार्य इस सप्ताह बिना किसी परेशानी के पूरे हो जाएंगे। रूकावट दूर होगी और आप एक सुखद जीवन की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। धन की रूकावट नहीं रहेगी। कार्य विस्तार करेंगे। मान-सम्मान प्राप्त होगा। परिवार-समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यात्रा के योग हैं।

मकर : इस सप्ताह आपके लिए सलाह है किपरिवार के बुजुर्गो, अनुभवी लोगों की बात मानें। निवेश से लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक स्थिति में आपकी सराहना होगी। कार्यस्थल पर अधिकारियों की सराहना मिलेगी। सरकारी सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की तरक्की होगी। बिजनेस में विस्तार और लाभ होगा।

कुंभ : भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन की खरीदी-बिक्री करेंगे। निवेश से लाभ। परिवार में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी और किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपकी राय भी मायने रखेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नौकरीपेशा और व्यापारियों को भी लाभ होगा। किसी पुराने विवाद का निपटारा होगा। भाई-बहनों के साथ रिश्ते सुधरेंगे।

मीन : आर्थिक सफलता वाला सप्ताह रहेगा। पुराने निवेश से लाभ और नए निवेश की संभावना है। संपत्ति खरीदने के योग भी बन रहे हैं। नौकरी और बिजनेस में लाभ होगा। कार्य विस्तार की संभावनाएं हैं। मित्रों के साथ समय बिताएंगे। प्रेमी-प्रेमिका साथ में किसी यात्रा पर जाएंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहने से प्रत्येक कार्य में मन लगेगा।

पति- मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है

पत्नी- क्यों क्या हुआ ?

पति- शायद हार्ट अटैक आया है, जल्दी से एंबुलेंस बुलवाओ...

पत्नी- ठीक है फोन करती हूं। जरा, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओं...

पति- अभी रुक जाओ पहले से ठीक लग रहा है, कल क्लीनिक पर जाकर दिखा लेंगे।

कड़वा सत्य...

अगर आप सोचते हैं कि...

काश! मेरी शादी साली से हुई होती तो अच्छा होता...

तो यकीन मानिए...

आपकी साली के पति भी बिल्कुल ऐसा ही सोचते होंगे।

पापा - कहां हो बेटे...?

गोलू - हॉस्टल में पढ़ रहा हूं पापा,

पापा- बेटा सही से पढ़ रहे हो न?

गोलू- पापा जी, परीक्षा होने वाली है इसलिए दिन-रात पढ़ रहा हूं, वैसे आप कहां हैं...?

पापा - बेटा जिस ठेके पर तू खड़ा है ना, मैं भी ठीक तुम्हारे पीछे ही खड़ा हूं।

भाकियू नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की किसानों से अपील- हरियाणा में गणतंत्र दिवस समारोहों में मंत्रियों का बहिष्कार न करें

हरियाणा भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने केंद्र के तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों और उनके समर्थकों से शनिवार को अपील की कि वे हरियाणा में गणतंत्र दिवस समारोहों के दौरान मंत्रियों व नेताओं का विरोध न करें। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसान रैलियों और अन्य दिनों में होने वाले कार्यक्रमों में राज्य के मंत्रियों का विरोध जारी रखें।

चढ़ूनी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि मैं अनुरोध करना चाहूंगा कि हरियाणा में अगर कोई मंत्री या नेता गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रध्वज फहराने के कार्यक्रम में आता है तो हमें उसका विरोध नहीं करना है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में किसी भी तरह के व्यवधान से गलत संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मंत्री अगर और दिन राज्य में रैलियां करते हैं या कार्यक्रम करते हैं, तो किसान उनका विरोध जारी रखेंगे।

इससे पहले, इसी महीने प्रदर्शनकारी किसानों ने करनाल में किसान महापंचायत की जगह पर तोड़फोड़ की थी, जहां हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर केंद्र के नए कृषि कानूनों के फायदों से लोगों को अवगत कराने वाले थे। पिछले महीने प्रदर्शनकारी किसानों के एक समूह ने अंबाला शहर में उस वक्त खट्टर को काले झंडे दिखाए गए थे, जब उनका काफिला वहां से गुजर रहा था। पिछले महीने ही एक अन्य घटना में किसानों के एक समूह ने केंद्रीय मंत्री रतन लाल कटारिया को अंबाला शहर से लगे जांडली गांव में काले झंडे दिखाए थे।

गौरतलब है कि खट्टर और प्रदेश के मंत्रियों को 26 जनवरी को राज्य भर में अलग-अलग स्थानों पर राष्ट्र ध्वज फहराना है। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री खट्टर पानीपत में राष्ट्र ध्वज फहराएंगे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला अंबाला में तिरंगा फहराएंगे। शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुरुग्राम में और परिवहन मंत्री मूल चंद शर्मा रेवाड़ी में ध्वजारोहण करेंगे। हरियाणा पुलिस के सूत्रों ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह से जुड़े सभी स्थलों जहां पर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या मंत्री मौजूद रहेंगे, वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी शुक्रवार को किसानों से अपील करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस पर शांति तथा अनुशासन को किसी कीमत पर भंग न होने दें अन्यथा ये आंदोलन कमजोर पड़ जाएगा। उन्होंने हिसार में कहा कि सरकार को किसानों को डराने की बजाय मनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से अपील की कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर किसी भी कीमत पर शांति व अनुशासन भंग न होने दें। शांति व अनुशासन हुआ तो ये आंदोलन कमजोर पड़ जाएगा। अनुशासन और अहिंसा किसान आंदोलन के दो सबसे बड़े हथियार हैं। इस पर टिके रहना सबसे बड़ी ताकत है। इस पथ पर हमें अडिग रहना है। हुड्डा ने कहा कि सरकार किसानों से टकराने की नीति बनाने की बजाय समाधान करें और जल्द किसानों की मांगों को पूरा करें। मैं भी एक किसान पुत्र हूं और किसानों के दु:ख-तकलीफों को समझता हूं।

वह शुक्रवार को जिले में हिसार-दिल्ली नेशनल हाइवे-9 पर स्थित रामायण टोल प्लाजा पर चल रहे किसानों के धरने पर पहुंचे और किसानों की मांगों का समर्थन किया। यहां पर किसानों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 58 दिनों से देश का अन्नदाता अपनी मांगों को लेकर सर्दी के मौसम में कड़ाके की ठंड में अपनी जायज मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर सरकार उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि जो किसान पूरे देश का पेट भरने का काम करता है, जिसको हम अन्नदाता का रूप मानते हैं। वही आज सड़कों पर सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार को उनकी ओर ध्यान देना चाहिए। किसान अपने आपको असहाय न समझें, हम उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसानों की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठाना चाहिए, बल्कि अन्नदाताओं के जज्बे को सलाम करना चाहिए। हुड्डा ने कहा कि तीन कृषि कानून रद्द करवाने के लिए चल रहे देशव्यापी किसान आंदोलन में 100 के करीब अन्नदाता शहीद हो चुके हैं, मगर सरकार का दिल फिर भी नहीं पसीज रहा। सरकार सत्ता के घमंड में पूरी तरह से चूर है, उनको पता होना चाहिए कि जो सत्ता पर बैठाना जानता है वह उसे हटाना भी जानता है।

कई जगहों पर बम की अफवाह के बाद नोएडा पुलिस अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर

गणतंत्र दिवस 2021 के पहले उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और प्रयागराज में इस सप्ताह बम होने की कम से कम छह अफवाहें फैलीं। गौतमबुद्ध नगर जिले में दो दिन में दो जगहों पर बम होने की अफवाह के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस ने सभी बॉर्डरों पर सघन जांच शुरू कर दी है और यहां के विभिन्न मॉल, बाजार, होटल तथा सामरिक महत्व के प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी है।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राजेश एस. ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर जिले में दो स्थानों पर बम होने की सूचना मिलने और गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जिले में हाई अलर्ट घोषित कर धारा 144 लगा दी गई है।

उन्होंने बताया कि नोएडा के सभी मॉल, मेट्रो स्टेशन और बाजारों में पुलिस सघन जांच अभियान चला रही है और संदिग्ध नजर आने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस चप्पे चप्पे पर निगाह रखे हुए है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है।

गौरतलब है कि नोएडा के थाना फेस-3 क्षेत्र के छिजारसी गांव के पास शुक्रवार सुबह राहगीरों को बम जैसी दिखने वाली कोई वस्तु दिखने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गए। बम निरोधक दस्ते ने जांच के बाद पुष्टि की कि यह कोई विस्फोटक वस्तु नहीं है।

वहीं, इससे एक दिन पहले गुरुवार को नोएडा के सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल में बम होने की सूचना पुलिस को मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने करीब तीन घंटे तक अस्पताल में छानबीन की। बाद में पता चला कि यह सूचना फर्जी थी।

नोएडा पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने कहा है कि गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा को लेकर पुलिस काफी सतर्क है तथा लोगों से अपील की जा रही है कि कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो वह तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें।

दो दिन बाद दिल्ली में फिर होगा 'कोल्ड अटैक', घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 16 ट्रेनें लेट

दिल्ली-एनसीआर के शहरों समेत उत्तर भारत में घने कोहरे और सर्दी का सितम लगातार जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन में एक बार से फिर दिल्ली में 'कोल्ड अटैक' की आशंका जताई है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोहरे की वजह से कुछ हिस्सों में दृश्यता का स्तर गिरकर 300 मीटर तक पहुंच गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने वाले ताजा पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ठंड से थोड़ी राहत मिली है। राजधानी में पूर्वी हवाओं और बादल छाए रहने की वजह से न्यूनतम तापमान बढ़कर आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालय से बह रही उत्तर-पश्चिमी हवाओं की तुलना में पूर्वी हवाएं कम ठंडी हैं। वहीं बादल की वजह से कुछ अवरक्त किरणों के वापस धरती की तरफ लौटने से न्यूनतम तापमाम में बढ़ोतरी हुई है। श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान फिर एक बार घटकर चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होगी। बर्फ से ढके पहाड़ों से बहने वाली सर्द, शुष्क हवाओं की वजह से सोमवार तक न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ने कहा कि हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल और सहरसा-नई दिल्ली स्पेशल सहित, शनिवार को सोलह ट्रेनें लो विजिबिलिटी और अन्य परिचालन कारणों से देरी से चल रही हैं। आईएमडी के अनुसार, उत्तर भारत के शहरों में घने कोहरे की स्थिति के कारण विजिबिलिटी काफी कम देखी जा रही है। शनिवार सुबह साढ़े छह बजे पालम में विजिबिलिटी 300 मीटर थी। शनिवार सुबह साढ़े छह बजे लखनऊ में विजिबिलटी स्तर 150 मीटर दर्ज किया गया, जबकि गोरखपुर में 0-25 मीटर तक है। गुवाहटी, अगरतला, कोलकाता, गया और ग्वालियर में प्रत्येक में 50 मीटर की विजिबिलटी दर्ज की गई।

वायु गुणवत्ता की निगरानी करने वाली प्रणाली SAFAR के अनुसार, दिल्ली में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (A Q I) 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ है, हालांकि, ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में सतह की हवाओं के कारण कल तक इसमें सुधार होने की संभावना है।

हाईवे साथी' ऐप के बिना यमुना एक्सप्रेस-वे पर नहीं मिलेगी एंट्री, जानिए क्या है इसकी वजह?

यमुना एक्सप्रेस-वे पर होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा उपायों पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इन्हीं उपायों के तहत अब वाहन चालकों के लिए 'हाईवे साथी' ऐप अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड करना जरूरी होगा। इस ऐप के बिना वाहन चालकों को यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए आगरा और ग्रेटर नोएडा में इंतजाम किए जाएंगे। 15 फरवरी के बाद इसको लागू करने की तैयारी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसों को रोकने के लिए हर जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। एक्सप्रेस-वे की निगरानी यमुना प्राधिकरण करता है, जबकि इसका संचालन एक कंपनी के पास है। एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा उपायों के लिए यमुना प्राधिकरण समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करता रहता है। अब प्राधिकरण एक्सप्रेस-वे पर आने से पहले वाहन चालकों को अपने मोबाइल फोन में 'हाईवे साथी' ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य बनाने जा रहा है। इस ऐप के जरिए कोई घटना-दुर्घटना होने पर तुरंत सहायता मिल सकेगी, इसलिए इसे जरूरी किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, आगरा व ग्रेटर नोएडा में जीरो प्वॉइंट पर बूथ बनाए जाएंगे। यहां पर वाहन चालकों के मोबाइल पर इस ऐप को देखा जाएगा। ऐप डाउनलोड होने पर ही वाहन चालक को यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने दिया जाएगा। प्राधिकरण और एक्सप्रेस-वे का संचालन करने वाली कंपनी ने 2017 में इस ऐप को लॉन्च किया था।

अधिकारियों के मुताबिक, यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के बाद 'हाईवे साथी' ऐप से वह मोबाइल सीधा सर्वर से जुड़ जाएगा। इससे वाहन चालक का मोबाइल नंबर और गाड़ी का नंबर भी सर्वर से जुड़ जाएगा। अगर कोई हादसा होता है तो इस ऐप के जरिए निकटतम एम्बुलेंस, अस्पताल, क्रेन, दवा की दुकान, पुलिस स्टेशन आदि की जानकारी मिल जाएगी। इस ऐफ के जरिए पुलिस कर्मियों व एक्सप्रेस-वे कर्मियों की सहायता मिल जाएगी, इसीलिए इस ऐप को जरूरी किया जा रहा है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक फरवरी से फास्टैग सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टोल पर सेंटर सिस्टम लगाया जाएगा। सेंसर के जरिए बिना फास्टैग वाली गाड़ियों को उस लेन में जाने से रोका जाएगा। कई बार बिना फास्टैग वाली गाड़ियां टोल पर जाम लगा देती हैं। फास्टैग लेन के अलावा कैश लेन भी रहेगी। फास्टैग शुरू करने की तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है।

बिजली विभाग का नया कारनामा, दुकान के लिए 13 करोड़ रुपये तो घर का आया 81 हजार का बिजली बिल

हरियाणा में बिजली उपभोक्ताओं को गलत बिजली बिल मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। फरीदाबाद के सेक्टर-28 में एक दुकान का 13 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिल आया है तो एक घर का मात्र 21,00 यूनिट का 81 हजार रुपये का बिजली बिल आया। ये सिर्फ दो गलत बिजली बिल का मामला नहीं हैं, बल्कि हर दो माह बाद सैकड़ों लोगों के गलत बिजली बिल आ रहे हैं। इस वजह से उपभोक्ता बिजली दफ्तरों के चक्कर लगाते रहते हैं। आईपी कॉलोनी निवासी केतन सूरी ने बताया कि उनके घर का 2,100 यूनिट का बिजली बिल 81 हजार रुपये का आया है। एक-दो बिल उन्हें बीच में मिल ही नहीं पाए थे। इस वजह से वह अपना बिल जमा नहीं कर पाए थे। उन्होंने बताया कि जब सारा सिस्टम ऑनलाइन है तो उपभोक्ताओं को गलत बिल कैसे भेजे जा रहे हैं। ऑन स्पॉट बिल से भी यह समस्या खत्म नहीं हो रही है। उन्हें 187 दिन का बिजली बिल 81 हजार रुपये भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार दोपहर को वह उपमंडल वेस्ट के कार्यालय बिजली बिल की शिकायत करने गए थे। वहां पर कई उपभोक्ताओं गलत बिजली बिलों की शिकायत लेकर आए थे। सेक्टर-28 में एक एससीओ (दुकान) का बिजली बिल 13 करोड़ 38 लाख 91 हजार 41 रुपये का आया है। दुकान मालिक ने इस मामले की शिकायत वेस्ट उपमंडल के एसडीओ से की है। यह बिजली बिल मुकुल मंगला के नाम से है। जब उपभोक्ता से गलत बिजली बिल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जानकारी देने से इनकार कर दिया है। उनका कहना था कि बिजली दफ्तर जाकर इसकी मौखिक शिकायत कर दी गई है। एक-दो दिन में ठीक हो जाएगा। उपभोक्ता केतन पुरी ने गलत बिजली बिलों की समस्या को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यालय तक पहुंचाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के ट्विटर हैंडल @सीएमओएचआरवाई पर लिखा है कि उनका मीटर घर के बाहर लगा हुआ है। फिर भी उनके घर को बंद बताकर 81,903 रुपये का औसत बिजली बिल भेज दिया गया है। वहीं एक उपभोक्ता का 13 करोड़ रुपये का बिजली बिल आया है। अनपढ़ ही रहने दो सिस्टम को, क्योंकि कोई भी डिजिटल हरियाणा में मदद नहीं कर सकता है। बिजली बिल ठीक करवाने जाने से पहले मीटर की स्क्रीन का फोटो खींच लें। फिर पुराना और नया बिजली बिल बिजली दफ्तर लेकर जाएं। वहां अपनी शिकायत लिखकर बिजली दफ्तर की हेल्प डेस्क पर मौजूद कर्मचारी को दे दें। इसकी शिकायत ऑनलाइन भी की जा सकती है। फरीदाबाद में इस वर्ष के अंदर स्मार्ट बिजली मीटर लगने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। स्मार्ट बिजली मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को गलत बिजली बिलों से निजात मिल जाएगी।

NCR में सस्ते घर का सपना जल्द होगा पूरा, यमुना प्राधिकरण लाएगा 1920 फ्लैट वाली किफायती आवास योजना

एनसीआर में घर का सपना देख रहे लोगों के लिए यमुना प्राधिकरण अफोर्डेबल हाउसिंग (किफायती आवास) योजना अप्रैल तक लॉन्च करेगा। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। योजना में 1920 फ्लैट होंगे। पांच हेक्टेयर में प्रस्तावित इस योजना का डिजाइन फाइनल हो गया है।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में सैकड़ों औद्योगिक इकाइयों के लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। एयरपोर्ट का भी काम जल्द शुरू होगा। ऐसे में हर वर्ग के लोग इस इलाके में आएंगे। इसको ध्यान में रखते हुए यमुना प्राधिकरण ने किफायती आवास योजना निकालने की तैयारी की है। इकोनॉमी फिजबिलिटी देखने के लिए प्राधिकरण ने सलाहकार कंपनी का चयन करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सलाहकार कंपनी निर्माण की निगरानी भी करेगी।

यमुना प्राधिकरण ने इसके लिए सेक्टर-18 में जमीन चिह्नित की है। यह परियोजना पांच हेक्टेयर में आएगी। योजना के मुताबिक, ईडब्ल्यूएस और एलआईजी श्रेणी के फ्लैट भूतल समेत चार मंजिला होंगे, जबकि अन्य फ्लैट 14 मंजिला होंगे।

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, इस परियोजना का डिजाइन फाइनल हो गया है। परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए एक सलाहकार कंपनी का चयन किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। यह कंपनी परियोजना को पूरी होने तक निगरानी करेगी। साथ ही इसकी इकोनॉमी फिजबिलिटी रिपोर्ट भी तैयार करेगी, ताकि लोगों को सस्ती दरों पर फ्लैट दिए जा सकें।

अधकारियों ने बताया कि लोगों को कम कीमत पर फ्लैट दिए जाएंगे। ईडब्ल्यूएस से लेकर एलआईजी बी श्रेणी के फ्लैट 10 लाख रुपये से 30 लाख रुपये के बीच होंगे। इसकी कीमत को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। इस काम को भी सलाहकार कंपनी अंतिम रूप देगी।

सलाहकार कंपनी का चयन होने के बाद इकोनॉमी फिजबिलिटी रिपोर्ट बनेगी। इसके बाद परियोजना के टेंडर निकाल दिए जाएंगे। अफसरों के मुताबिक, डेढ़ साल में परियोजना को पूरा कर लिया जाएगा, ताकि लोगों को जल्द से जल्द सस्ते घर मुहैया कराए जा सकें। अप्रैल तक इस योजना को लॉन्च कर दिया जाएगा।

"यमुना प्राधिकरण किफायती घरों की योजना लॉन्च करेगा। इसमें ईडब्ल्यूएस से लेकर एलआईजी बी श्रेणी के फ्लैट होंगे। डेढ़ साल में इस परियोजना को पूरा कर लिया जाएगा।"

नोएडा में अवैध तरीके से किडनी प्रत्यारोपित करवाने वाले गिरोह का भंडाफोड, दो लोग गिरफ्तार, तीन फरार

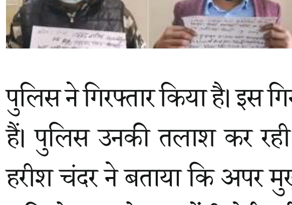

बांग्लादेश से आकर नोएडा में अवैध तरीके से किडनी प्रत्यारोपित करने वाले गिरोह के दो लोगों को थाना फेस-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में शामिल तीन लोग अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने बताया कि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रशासन) शशि ने थाना फेस-3 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बांग्लादेश से आकर कुछ लोग नोएडा के सेक्टर-62 स्थित एक अस्पताल में अवैध रूप से किडनी का प्रत्यारोपण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी आरोपी थाना फेस-3 क्षेत्र में स्थित एक गेस्ट हाउस में रुके हुए हैं। उपायुक्त ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही थाना फेस -3 पुलिस ने शुक्रवार को बांग्लादेश के रहने वाले अहमद शरीफ तथा बिहार के रहने वाले बिचौलिया वाजिद हक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल मोहम्मद कबीर हुसैन, सब्बीर तथा अब्दुल मन्नान फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मोहम्मद कबीर नामक व्यक्ति की किडनी खराब है। शरीफ, वाजिद आदि ने बांग्लादेश से उन्हें किडनी बदलवाने के लिए नोएडा बुलाया। ये लोग फर्जी दस्तावेज के आधार पर खून का रिश्ता बताकर किडनी का ट्रांसप्लांट करना चाह रहे थे। डीसीपी ने बताया कि इस घटना में शामिल अन्य लोगों की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इससे पूर्व भी इस गिरोह ने अवैध रूप से किडनी प्रत्यारोपण किया है।

कुलदीप यादव को कोलकाता नाइटराइडर्स द्वारा रिटेन किए जाने पर गौतम गंभीर ने जताई हैरानी

आईपीएल 2021 (I P L 2021) के लिए सभी आठ टीमों ने अपने रिटेन किए हुए खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है।

कई टीमों ने बड़े-बड़े स्टार खिलाड़ियों को बाय-बाय बोल दिया, तो कुछ टीमों ने अपने पुराने प्लेयरों के ऊपर एक बार फिर से भरोसा दिखाया है। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने पिछले सीजन टीम के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ को इस साल रिलीज करते हुए संजू सैमसन को नए कप्तान के तौर पर चुना।

वहीं, यूएई में बुरी तरह से फ्लॉप रहे ग्लेन मैक्सवेल को भी किंग्स इलेवन पंजाब ने रिलीज कर दिया। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स (K K R , केकेआर) की टीम ने अपने पुराने खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। इसी बीच, केकेआर टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे गौतम गंभीर ने टीम द्वारा कुलदीप यादव को रिटेन किए जाने पर हैरानी जताई है।

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, 'मैं थोड़ा सरप्राइज हूं कि कुलदीप यादव को रिटेन किया गया है क्योंकि उनका ज्यादा मौके मिलते नहीं हैं। मैं यह चाहता था कि कुलदीप यादव उस फ्रेंचाइजी के पास जाए, जहां उनको ज्यादा खेलने के मौके मिलें। क्योंकि अगर आप भारत के लिए खेल रहे हैं और अपनी फ्रेंचाइजी के प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं, तो यह कहीं ना कहीं आपके करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपने उनको रिटेन किया है, उनको जरूर खिलाना चाहिए। अन्यथा, मुझे लगता है कि कुलदीप यादव को खुद से कहना चाहिए कि अगर वह टीम की स्कीम का हिस्सा नहीं हैं, तो उनको जाने दिया चाहिए ताकि वह दूसरी टीम से खेल सकें। अगर कुलदीप यादव ऑक्शन में आएंगे तो कई टीमें उनके लिए जाएंगी।'

गौतम गंभीर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की द्वारा आरोन फिंच और क्रिस मोरिस जैसे खिलाड़ियों को रिलीज किए जाने पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, 'आरसीबी के साथ सबसे बड़ी समस्या यही है कि वह हर साल काफी बदलाव करते हैं, इससे सिर्फ टीम के अंदर मौजूद खिलाड़ियों के मन में भी अपनी जगह को लेकर सवाल खड़े होते हैं। यह सिर्फ 10 रिलीज किए गए खिलाड़ियों की बात नहीं है, यहां तक कि जिनको टीम ने रिटेन किया है वह भी यह सोच रहे होंगे कि अगर उनका एक सीजन खराब गया तो उनको भी बाहर कर दिया जाएगा।'

टीम इंडिया के बॉलिंग कोच भरत अरुण ने बताया, किस वजह से जीत पाए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली ऐतिहासिक जीत का क्रेडिट खिलाड़ियों के साहस और निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आदत को दिया है। अरुण ने वर्चुअल बातचीत में कहा कि एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम के खिलाड़ियों से सीरीज के नतीजे की परवाह किए बिना सकारात्मक नजरिए के साथ अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था और जिसका

परिणाम सबके सामने है। गेंदबाजी कोच ने कहा कि जब आपके कुछ निश्चित लक्ष्य होते हैं और आप परिणाम के बारे में सोच रहे होते हैं तब आप डर के साथ खेलते हैं, क्योंकि तब आपकी कोई रणनीति ठीक से काम नहीं करती है। तब आप मैच नहीं हारना चाहते हैं और केवल सुरक्षित रूप से खेलना चाहते हैं। हमने एक टीम के रूप में वही किया जो रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली ने कहा था। अरुण ने कहा कि ब्रिस्बेन टेस्ट में हमने एक अतिरिक्त बल्लेबाज को टीम में शामिल करने पर विचार भी किया, लेकिन हमने सोचा कि यह फैसला टीम के खिलाफ हो सकता है, इसलिए कप्तान अजिंक्य रहाणे समेत टीम मैनेजमेंट ने सर्वसम्मति से फैसला किया कि टीम पांच गेंदबाजों के साथ ही मैदान पर उतरेगी। वॉशिंगटन सुंदर नेट पर अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे इसलिए उन्हें टीम में शामिल किया और उन्होंने अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन भी किया। गेंदबाजी कोच अरुण के मुताबिक सफलता हासिल करने की दिशा में भारतीय टीम अब खतरे मोल लेने से नहीं चूकती और ब्रिसबेन में अनुभवहीन गेंदबाजों के साथ पांच गेंदबाजों को मौका देना एक बहुत बड़ा फैसला था। उन्होंने कहा कि हमें यदि सफल होना है तो हार से घबराना नहीं होगा। वह साथ चलेगी। हम हारने से नहीं डरते। हम कुछ मैच हारेंगे और हर हार से हम कुछ ना कुछ सीखेंगे। हार खेल का हिस्सा है और एक अच्छा खिलाड़ी हार से सीखकर ही जीत हासिल करता है। हम इसी फॉर्मूले के साथ चल रहे थे।

एबी डिविलियर्स ने रचा इतिहास, IPL में ऐसा करने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी

इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) फ्रेंचाइजियों ने हाल ही में टूर्नामेंट की नीलामी से पहले टीम से रिलीज और टीम में रिटेन किए खिलाड़ियों की जानकारी बीसीसीआई को दी थी। इसमें रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर(आरसीबी) ने बड़ा बदलाव करते हुए 10 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया। उनके इस कदम से कई दिग्गज खिलाड़ियों को हैरानी हुई। आरसीबी ने साथ ही कप्तान विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, युजवेंद्र चहल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को रिटेन भी किया। इसका मतलब यह था कि ये सभी रिटेन किए खिलाड़ियों को एक साल का एक्सटेंशन मिला है और इन्हें आईपीएल 2021 में उतने ही पैसे दिए जाएंगे, जिस दाम पर वो खरीदे गए थे। इसके साथ ही डिविलियर्स ने एक खास मामले में इतिहास रच दिया है।

'इनसाइडस्पोर्ट' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटरों में से एक एबी डिविलियर्स आईपीएल से 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने वाले इतिहास के पहले विदेशी क्रिकेटर बन गए हैं। हालांकि यह उपलब्धि चार भारतीय पहले ही कर चुके हैं, लेकिन बात की जाए विदेशी क्रिकेटरों की, तो उनमें डिविलियर्स एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों में चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी, आरसीबी के विराट कोहली, मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और सीएसके के सुरेश रैना इस लिस्ट में शामिल हैं।

डिविलियर्स को इस समय एक सीजन के लिए 11 करोड़ की राशि मिलती है। इस साल रिटेन किए जाने के साथ ही डिविलियर्स अब तक इस महंगी क्रिकेट लीग से 102.5 करोड़ रुपए कमा चुके हैं। डिविलियर्स को विश्व क्रिकेट का विध्वंसक क्रिकेटर माना जाता है।

2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी उन्हें इस समय टी-20 क्रिकेट का सबसे शानदार क्रिकेट माना जाता है। आईपीएल 2020 में उनके बल्ले से 45.40 की शानदार औसत से 454 निकले थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक-रेट 158.74 का रहा था।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मदद के लिए भारत और पीएम मोदी का शुक्रिया: WHO चीफ

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) प्रमुख टेड्रोस अधानोम गेब्रेयसस ने कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में लगातार सहयोग करने को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि जानकारी साझा करने सहित साथ मिल कर काम करने से इस महामारी से निपटने में मदद मिलेगी। भारत ने इस हफ्ते घोषणा की है कि वह श्रीलंका और आठ अन्य देशों -- भूटान, मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल, म्यामां, सेशल्स, अफगानिस्तान और मॉरीशस को सहायता के तहत कोविड-19 के टीके भेजेगा। भारत की नीति "पड़ोसी पहले" के अनुरूप नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और मालदीव को सहायता के तहत कोविड-19 के टीके भेजे जा चुके हैं। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने ट्वीट किया, "कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में आपके लगातार सहयोग के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत का टीके का उत्पादन और आपूर्ति क्षमता का उपयोग कोविड-19 महामारी से लड़ाई में समस्त मानवजाति की भलाई के लिए किया जाएगा। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत एक स्वस्थ धरती के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए तैयार है। इससे पहले अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने भी दक्षिण एशिया के कई देशों को कोविड-19 टीके की आपूर्ति करने के लिए भारत की सराहना की और भारत को "एक सच्चा दोस्त बताया" जो वैश्विक समुदाय की मदद के लिए अपने फार्मास्युटिकल क्षेत्र का उपयोग कर रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के ब्यूरो की ओर से ट्वीट किया गया, ''हम वैश्विक स्वास्थ्य में भारत की भूमिका की सराहना करते हैं जिसने दक्षिण एशिया में कोविड-19 टीके की लाखों खुराक साझा की हैं। भारत की ओर से टीके की मुफ्त खेप की आपूर्ति मालदीव, भूटान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ शुरू हुई और यह दूसरों के लिए भी विस्तारित होगी।

आतंकी संगठन अफगान शांति समझौते पर चल रहा है या नहीं, अमेरिका-तालिबान समझौते पर फिर गौर करेंगे जो बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने कहा कि वह अफगान-तालिबान समझौते की समीक्षा करेगा जिससे यह आकलन किया जा सके कि आतंकी संगठन अफगान शांति समझौते के अनुरूप हिंसा में कमी कर रहा है या नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली हॉर्न ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अपने अफगान समकक्ष हमदुल्ला मोहिब से फोन पर बातचीत के दौरान यह रेखांकित किया कि अमेरिका एक मजबूत और क्षेत्रीय कूटनीतिक प्रयास के साथ शांति प्रक्रिया का समर्थन करेगा, 'जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों को एक टिकाऊ और उचित राजनीतिक समाधान और स्थायी युद्ध विराम हासिल करने में मदद करना होगा।" उन्होंने कहा, 'सुलिवन से यह भी स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका फरवरी 2020 अमेरिका-तालिबान समझौते की समीक्षा करेगा, जिसमें यह आकलन भी शामिल है कि अफगानिस्तान में हिंसा को कम करने और अफगान सरकार तथा अन्य हितधारकों के साथ सार्थक वार्ता में शामिल होने, आतंकवादी समूहों के साथ संबंधों में कटौती करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर तालिबान कायम है या नहीं।"

दुनिया को वायरस से जूझता छोड़ पटरी पर लौटता चीन का वुहान शहर, कोरोना लॉकडाउन के एक साल पूरे

एक साल पहले चीन के शहर वुहान में तड़के दो बजे लोगों के स्मार्टफोन पर एक संदेश भेजा गया था जिसमें 76 दिनों तक चलने वाले पहले कोरोना वायरस लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। कोरोना वायरस संक्रमण का मामला सबसे पहले मध्य चीन के इसी शहर में सामने आया था। शनिवार की सुबह यांग्त्सी नदी के किनारे स्थित पार्क में कोहरे के बीच यहां के निवासी जॉगिंग करते और 'ताई ची का अभ्यास करते नजर आए। दुनिया भर में जहां विषाणु के और संक्रामक स्वरूपों को लेकर अब भी अफरा-तफरी व अव्यवस्था की स्थिति है, करीब एक करोड़ 10 लाख की आबादी वाले इस शहर में जन-जीवन काफी हद तक पटरी पर लौट आया है।

अव्यवस्था और कुछ स्थानों पर सीमित आपूर्ति के कारण कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण के प्रयास लोगों में खीझ का कारण भी बन रहे हैं। दुनियाभर में इस महामारी से 20 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। वुहान में सड़कों पर गाड़ियों की गहमागहमी कम है लेकिन पृथकवास के लिये एक साल पहले जगह-जगह पर खड़े किये गए बैरियर अब यहां नजर नहीं आते। एक साल पहले सख्त पृथकवास नियमों के कारण लोगों की आवाजाही बंद हो गई थी, लोग अपने घरों, आवासीय परिसरों तक सिमट गए थे लेकिन अब लोगों के आने जाने पर रोक नहीं है। चीन में कोविड-19 से हुई 4635 मौतों में से अधिकतर मामले वुहान से थे। यह आंकड़ा महीनों तक स्थिर रहा था। आठ अप्रैल को शहर से लॉकडाउन हटने के बाद यहां महामारी पर काफी हद तक अंकुश रहा। एक सवाल पहले की तरह ही अब भी कायम है कि वायरस की उत्पत्ति कहां हुई? क्या वुहान और चीन के अधिकारियों ने दुनिया को इस महामारी के बारे में आगाह करने के लिये पर्याप्त और पारदर्शी तरीके से समय पर कदम उठाए जिससे दुनिया को इसके खिलाफ तैयारी का मौका मिल पाता? दुनिया भर में 9.8 करोड़ लोग इस महामारी से पीड़ित हुए। चीन ने शनिवार को संक्रमण के 107 नए मामलों की घोषणा की जिससे यहां अब तक संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 88,911 हो गई। नए मामलों में से सबसे ज्यादा 56 संक्रमित हीलोंगजियांग प्रांत में सामने आए। बड़े पैमाने पर जांच अभियान के दौरान बीजिंग और शंघाई में तीन नए मामले मिले। यहां नए मामलों के सामने आने के बाद अस्पतालों और घरों के आसपास सख्त लॉकडाउन लागू किया गया था। अधिकारियों को अगले महीने चीनी नववर्ष की छुट्टियों के दौरान संक्रमण के नए मामलों में बढ़ोतरी की आशंका है। इसलिये लोगों से यात्रा न करने और जहां तक संभव हो भीड़ वाली जगहों पर न जाने को कहा जा रहा है। स्कूलों की छुट्टियां एक हफ्ते पहले ही कर दी गई और कई में ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है। घरों में और सार्वजनिक परिवहन के दौरान भी मास्क पहने लोग ही नजर आते हैं। लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के लिये मोबाइल फोन ऐप की मदद ली जा रही है और यह साबित करने के लिये भी लोग इनका इस्तेमाल कर रहे हैं कि वह उन इलाकों में नहीं गए जहां संक्रमण के प्रसार की आशंका है।

भगोड़े विजय माल्या ने ब्रिटेन में ही रहने के लिए एक और पैंतरा आजमाया, गृह मंत्री प्रीति पटेल से लगाई गुहार

विजय माल्या ने ब्रिटेन में ही रहने के लिये एक और विकल्प आजमाते हुए गृह मंत्री प्रीति पटेल के सामने गुहार लगाई है। लंदन के उच्च न्यायालय में चल रहे दिवालिया मामले में शराब कारोबारी माल्या का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने शुक्रवार को अदालत में इसकी जानकारी दी। ब्रिटेन की सुप्रीम कोर्ट ने माल्या को भारत सरकार को प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर याचिका को पिछले साल अक्टूबर में खारिज कर दिया था।

फिलहाल वह तब तक जमानत पर है जब तक

पटेल उसे भारत प्रत्यर्पित करने के आदेश पर हस्ताक्षर नहीं कर देतीं। माल्या पर अब बंद हो चुकी उसकी कंपनी किंगफिशर एयलाइंस के संबंध में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोप हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने इस संबंध में केवल इस बात की पुष्टि की है कि प्रत्यर्पण आदेश पर अमल किए जाने से पहले गोपनीय कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

इससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि माल्या ने ब्रिटेन में शरण मांगी थी, जिसकी जानकारी की ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने न तो पुष्टि की है और न ही इससे इनकार किया है।

माल्या के बैरिस्टर फिलिप मार्शल ने अदालत में कहा, 'प्रत्यर्पण की प्रक्रिया बरकरार है, लेकिन वह (माल्या) अभी इसलिए यहां हैं क्योंकि उन्होंने यहां रहने के लिए एक और विकल्प आजमाते हुए गृह मंत्री प्रीति पटेल से गुहार लगाई है।'

सनी देओल के बेटे करण के नाम से ट्विटर पर चल रहा फेक अकाउंट, एक्टर ने फैन्स को किया अलर्ट

सनी देओल के बेटे करण देओल के नाम से ट्विटर पर एक फर्जी अकाउंट मौजूद है। जब करण को यह बात उन्हें पता चली तो उन्होंने अपने फैन्स को तुरंत अलर्ट किया। करण ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर फैन्स को बताया कि उनका ट्विटर पर कोई भी अकाउंट नहीं है और जो उनके नाम से है वह फेक है।

करण ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नाम से चल रहे फेक ट्विटर अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''हाय दोस्तों, मुझे पता चला है कि ट्विटर पर मेरे नाम पर बनाए गए फर्जी अकाउंट से घृणा फैलाने वाली और सामाजिक असौहार्द्र पैदा करने वाली बातें कही जा रही है। मैं एक बार फिर स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह मेरा अकाउंट नहीं है और मैं ट्विटर पर नहीं हूं। यह एक फेक अकाउंट है।''

प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो करण ने फिल्म पल-पल दिल के पास से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन करण के पिता सनी देओल ने किया था। हालांकि, इस फिल्म को दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला।

अब करण फिल्म अपने 2 में नजर आएंगे। इसमें वह पिता सनी देओल, चाचा बॉबी देओल और दादा धर्मेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इस फिल्म निर्देशन अनिल शर्मा करेंगे। कुछ समय पहले ही सनी देओल ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का ऐलान किया था। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म अपने का सीक्वल है।

अमिताभ बच्चन के दामाद ने जीता यह खिताब, नातिन नव्या नवेली ने यूं शेयर की खुशी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के दामाद निखिल नंदा को भारत के बेस्ट सीईओ का खिताब मिला है। अमिताभ की नातिन नव्या नवेली ने पिता की तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि वह भी इस विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी। निखिल नंदा एस्कॉर्ट्स ग्रुप के सीईओ हैं। नव्या नवेली अमिताभ बच्चन के बेटी श्वेता और दामाद निखिल की बेटी हैं। नव्या की ओर से शेयर की गई तस्वीरों में से एक में निखिल नंदा ट्रॉफी हाथ में उठाए दिख रहे हैं। बीते साल ही नव्या नवेली ने इंस्टाग्राम पर अपना अकाउंट बनाया था। अकसर इस अकाउंट पर वह अपने परिवार की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

नव्या नवेली ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'आपने कभी उस रास्ते से नजरें हटाने की कोशिश नहीं की, जिस पर आप चले। आप अपनी बात पर हमेशा अडिग रहे। आज हम आपकी सफलता और समपर्ण का सेलिब्रेशन कर रहे हैं। आपकी प्रतिबद्धता, महत्वाकांक्षा न सिर्फ एक अच्छी कंपनी खड़ी करने की रही है बल्कि श्रेष्ठ भारत बनाने की रही है।' डिजिटल टेक्नोलॉजी में ग्रेजुएशन करने वालीं नव्या नवेली एक स्वास्थ्य संगठन आरा की कोफाउंडर भी हैं। अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता की शादी उद्योगपति निखिल नंदा से हुई है।

निखिल नंदा बॉलीवुड के शोमैन कहे जाने वाले राजकपूर के पोते हैं। इस तरह से देखें तो अमिताभ बच्चन और कपूर परिवार में रिश्तेदारी का भी कनेक्शन है। श्वेता बच्चन और निखिल के दो बच्चे हैं। नव्या नवेली बड़ी हैं, जबकि अगस्त्य उनसे छोटे हैं।

श्वेता बच्चन भले ही पिता की तरह फिल्मी दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह वर्किंग वुमेन हैं। वह लेखिका हैं और एक फैशन चेन भी चलाती हैं। इस फैशन चेन के सह-मालिक के तौर पर मोनिशा जयसिंह उनके साथ हैं। नव्या नवेली अकसर अपनी तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 2 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

वरुण धवन-नताशा दलाल मेहंदी सेरेमनी: ईशा अंबानी, दीपिका पादुकोण से नताशा ने ली है यह सीख

एक्टर वरुण धवन और नताशा दलाल रविवार को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इसके साथ ही दोनों की सालों पुरानी लव स्टोरी अपने मुकाम पर पहुंच जाएगी। दोनों की शादी अलीबाग स्थित एक रिजॉर्ट में धूमधाम से हो रही है। इस बीच शादी से पहले की रस्में शुरू हो चुकी हैं। शुक्रवार शाम को रिजॉर्ट के बाहर मेहंदी आर्टिस्ट वीना नागदा को देखा गया। नताशा दलाल ने मेहंदी सेरेमनी के लिए मुंबई की सबसे महंगी और काबिल आर्टिस्ट को बुलाया था। दीपिका पादुकोण और देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी में भी मेहंगी आर्टिस्ट के तौर पर वीना नागदा ने ही काम किया था।

इसके अलावा काजल अग्रवाल की शादी में भी वीना नागदा ने मेहंदी आर्टिस्ट के तौर पर काम किया था। शायद दीपिका पादुकोण और ईशा अंबानी से प्रभावित होकर ही वरुण धवन की होने वाली पत्नी ने वीना नागदा को मेहंदी आर्टिस्ट के तौर पर चुना है। हालांकि वीना नागदा धवन परिवार की पुरानी करीबी हैं। SpotboyE की रिपोर्ट के मुताबिक बीते साल करवाचौथ के मौके पर वरुण धवन की मां लाली धवन ने भी वीना से ही मेहंदी लगवाई थी। पेशे से फैशन डिजाइनर नताशा दलाल ने अपनी ड्रेस को तो खुद ही डिजाइन किया है। सूत्रों के मुताबिक नताशा दलाल ने शादी में पहनने के लिए पेस्टल पिंक शेड में लहंगा डिजाइन किया है।

वरुण धवन और नताशा अपनी शादी को लेकर काफी प्राइवेसी बरत रहे हैं। शादी में आने वाले मेहमानों को फोन का इस्तेमाल न करने को कहा गया है। दरअसल कपल यह नहीं चाहता कि उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हों। इसके अलावा ऐसे लोगों को ही वेन्यू में एंट्री मिलेगी, जो कोरोना निगेटिव होंगे। ऐसे में इन लोगों को कोरोना टेस्ट रिपोर्ट वेडिंग प्लानर्स को दिखानी होगी। कहा जा रहा है कि इस शादी में शाहरुख खान, सलमान खान, कैटरीना कैफ, जैकलीन फर्नांडीज जैसे सितारे नजर आ सकते हैं।

गौरतलब है कि वरुण धवन और नताशा दलाल बचपन से ही एक दूसरे को जानते हैं। बीते साल से ही दोनों की शादी के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन अब तक दोनों पक्षों की ओर से इसकी औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है। दरअसल दोनों ही मीडिया की निगाहों से दूर रहते हुए शादी का आयोजन करना चाहते हैं। हालांकि वरुण धवन के चाचा अनिल धवन ने पिछले दिनों दोनों की शादी की पुष्टि की थी।

वरुण धवन और नताशा दलाल की शादी का जश्न हुआ शुरू, बैंड-बाजा और ढोल की टीम भी पहुंची

कई सालों की डेटिंग के बाद, बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन अपने रिश्ते को अब आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और 24 जनवरी को अलीबाग में एक समुद्र तट पर प्रेमिका नताशा दलाल से शादी कर रहे हैं। इस बीच कल दूल्हे और दुल्हन का पूरा परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ अपनी-अपनी गाड़ियों से विवाह स्थल के लिए रवाना हुआ, सभी लोग वीकएंड पर हो रही इस शादी के लिए पूरी तैयारी में हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि दोनों परिवार आज से प्री-वेडिंग कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे हैं।

वरुण और नताशा की प्री-वेडिंग इवेंट्स की शुरुआत हल्दी से होगी और उसके बाद मेहंदी और संगीत की रस्म होगी। शागी का यह पूर समारोह एक रिसेप्शन के साथ पूरा किया जाएगा, COVID-19 दिशानिर्देशों के कारण फंक्शन सीमित मेहमान ही मौजूद होंगे।

नताशा के ब्राइडल मेहंदी आर्टिस्ट के बाद, वरुण धवन के हेयरस्टाइलिस्ट भी विवाह स्थल पर पहुंच गए हैं। प्री-वेडिंग फंक्शन के पहले, वरुण धवन के हेयर स्टाइलिस्ट को होटल द मैनशन हाउस पहुंचते देखा गया। साथ इसी बैंड-बाजा बारात के एक समूह को विवाह स्थल तक जाते देखा गया है। आज सुबह-सुबह ही नताशा दलाल की मेहंदी कलाकार वीना नागदा विवाह स्थल पर पहुंची थी। वीना के मेहंदी कलाकारी से दीपिका पादुकोण, ईशा अंबानी और काजल अग्रवाल को प्रभावित करने के बाद, अब लोग नताशा की मेंहदी देखने का और इंतजार नहीं कर सकते हैं। इस बीच, धवन और दलाल परिवार के लोग बड़ी ही सावधानी के साथ COVID-19 के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। दोनों परिवारों ने अपने रिश्तेदारों से COVID परीक्षण करवाने और रिपोर्ट को शादी के प्रबंधन वालों को सौंपने को कहा है। वहीं दूसरी ओर दुल्हन से नताशा दलाल ने होटल के कर्मचारियों और हाउस हेल्पर्स के फोन को सील करने के लिए कहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि नताशा नहीं चाहती कि उनकी शादी की कोई भी फोटो और वीडियो ऑनलाइन लीक हो।

नई फोटो के साथ अक्षय कुमार ने दी बच्चन पांडे के रिलीज डेट की जानकारी, जानें कब होगी रिलीज

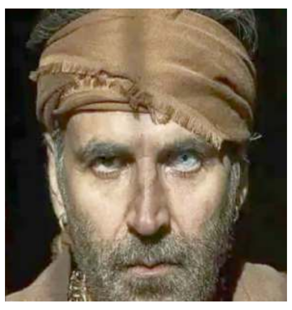

एक्टर अक्षय कुमार ने उनकी आने वाली अगली फिल्म बच्चन पांडे की रिलीज डेट के बारे मे बताया है। उन्होंने यह घोषणा रिपब्लिक डे के कुछ दिनों पहले ही कर दी है। उन्होंने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि बच्चन पांडे अगले साल 26 जनवरी को थिएटर में रिलीज होगी। यानी अक्षय कुमार के फैन्स को उन्हे इस फिल्म में बड़े पर्दे पर देखने के लिए साल भर का इंतजार करना पड़ेगा।

ट्विटर पर अपनी एक क्लोजअप फोटो के साथ अक्षय ने लिखा, "उनका एक लुक ही काफी है! बच्चनपांडे 26 जनवरी, 2022 को रिलीज़ हो रही है!" इस फोटो में अक्षय कुमार को गंभीर मुद्रा मे देखा जा सकता है। भूरे रंग की शर्ट पहने अक्षय इसमें सर पर एक पट्टी बांधे नजर आ रहे हैं, साथ ही उन्होंने गले में एक मोटा चेन भी पहन रखा है। इस तस्वीर में उनकी एक आंख नीली नजर आ रही है, जो इस इस तस्वीर को और ज्यादा सीरियस और डरावना बना रही है।

बच्चन पांडे की टीम, जिसमें अक्षय, कृति सेनन और जैकलीन फर्नांडीज शामिल हैं, इस समय जैसलमेर में हैं जहां इस महीने उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। जहां कास्ट और क्रू मेंबर्स लोकेशन से कई फोटोज शेयर करते रहे हैं, वहीं फिल्म को लकेर अक्षय कुमार के पहले लुक ने सबका ध्यान अपीन ओर खींचा है। 52 वर्षीय अभिनेता इस फिल्म में ऐसे अवकार में नजर आएंगे जिसमें उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया है। फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी द्वारा किया गया है और कथित तौर पर राजस्थान के गडीसर झील जैसी जगहों पर शूट किया जाएगा। फिल्म में बच्चन पांडे का का रोल अक्षय कुमार निभा रहे हैं, जो एक गैंगस्टर है लेकिन अभिनेता बनने की इच्छा रखता है, जबकि कृति सेनन एक पत्रकार की भूमिका में हैं, जो एक फिल्म निर्देशक बनने का सपने देखती है। अक्षय कुमार को आखिरी बार लक्ष्मी में एक ट्रांसजेंडर के भूत की भूमिका में देखा गया था। अभिनेता ने पहली बार एक ट्रांसजेंडर की भूमिका निभाई थी।

मिर्जापुर के जेपी यादव अब इस सीरीज में आएंगे नजर, बोले- यूं एक झटके में पूरा हुआ 25 साल का ख्वाब

मिर्जापुर वेब सीरीज में यूपी सीएम के भाई जेपी यादव के रोल से चर्चा में आए प्रमोद पाठक अब नई प्रोजेक्ट की तैयारी में हैं। वह नई वेब सीरीज 'ताव' की शूटिंग जल्दी ही कानपुर में शुरू करने वाले हैं। इसी शहर से पढ़ाई करने वाले प्रमोद पाठक कहते हैं कि यहां शूटिंग को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। मिर्जापुर में जेपी यादव के कैरेक्टर में उन्हें काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा रक्तांचल वेब सीरीज में वह त्रिपुरारी के कैरेक्टर में दिखे थे। इन दोनों वेब सीरीज से करियर में उन्हें जो चर्चा मिली है, वह बीते 25 सालों में नहीं मिली थी। रईस फिल्म में भी नजर आ चुके प्रमोद पाठक ने अपने करियर को लेकर कहा, 'देसी और वास्तविकता से जुड़े कॉन्टेंट के रिलीज होने के चलते उन्हें पहचान मिली है। मुझे चुनौतीपूर्ण रोल मिले हैं और मुझे खुशी है कि लोगों ने हम पर भरोसा दिखाया है। सबसे बड़ी बात यह है कि नाम और पैसे के अलावा मुझे अपने काम से संतुष्टि भी मिली है।' प्रमोद पाठक जैसे अभिनेता दशकों से नेपथ्य में थे, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म के उभार और वेब सीरीज के प्रचलन ने उन्हें अचानक पहचान दी है। इसे लेकर प्रमोद पाठक ने कहा, 'ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए कैरेक्टर आर्टिस्ट्स को बड़ा मौका मिला है। नए एक्टर्स की खोज हुई है क्योंकि हर किसी के पास परफॉर्म करने का स्कोप है।' यूपी के सुल्तानपुर जिले के रहने वाले प्रमोद पाठक ने अपनी स्कूली पढ़ाई नैनीताल से की थी और उसके बाद कानपुर से ग्रैजुएशन किया था। फिर काम की तलाश में मुंबई का रुख किया था। अपने काम को लेकर प्रमोद पाठक ने कहा, 'काम के साथ ही मैं साइड-बाय-साइड थिएटर में भी काम कर रहा था। अपने सर्वाइवल के लिए मैं लोगों को स्टेज के पीछे मदद करता था। राइटिंग, लाइट्स, डायरेक्शन और अन्य चीजों में मैं मदद करता था। जब आप अप्रशिक्षित होते हैं तो रास्ता लंबा होता है, लेकिन कुछ मिलता जरूर है। मैंने लगातार 12 सालों तक थिएटर में काम किया और फिर स्क्रीन पर छोटे रोल मिलने लगे थे।' अब तक चर्चा में न आ पाने को लेकर प्रमोद ने कहा, 'मैंने 'सैटरडे नाइट सस्पेंस' कार्यक्रम में एक छोटा सा रोल प्ले किया था। अजय देवगन स्टारर मूवी 'लीजेंड्स ऑफ भगत सिंह' में मैंने 45 दिनों तक शूटिंग की थी, लेकिन मेरा रोल मुश्किल से 10 सेकंड का ही था। लेकिन मैं लगातार काम करता रहा और सीखता रहा। हालांकि गैंग्स ऑफ वासेपुर में सुल्ताना डाकू और कुरैशी के रोल मैंने किए थे, जिनमें मुझे नोटिस किया गया था। इसके बाद मैंने टीवी शो क्राइम पेट्रोल में काम किया। फिर सिटी लाइट्स, तलवार और राजी जैसी मूवीज में काम करने का मौका मिला था।

किंग खान शाहरुख की वो फिल्में जो बॉक्स ऑफिस पर साबित हुई सुपरफ्लॉप, देखें पूरी लिस्ट

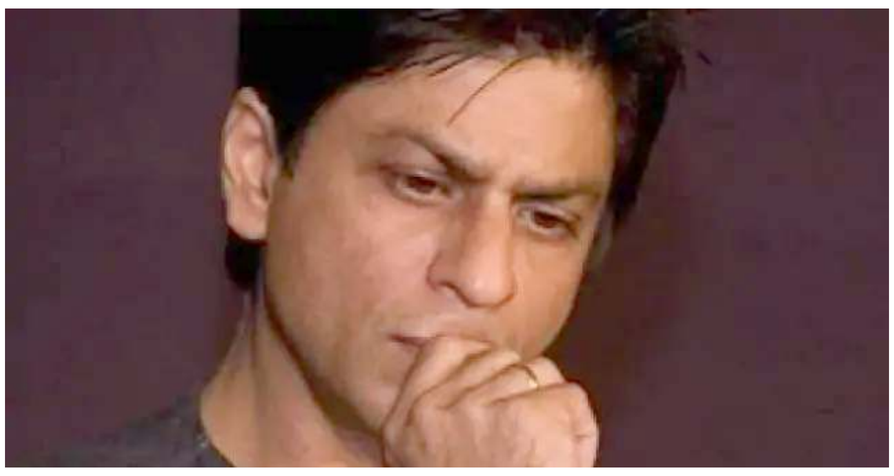

एक्टर शाहरुख खान को बॉलीवुड इडस्ट्री में किंग खान, बादशाह और न जानें कितने ही नामों से जाना जाता है। एक जमाने में बॉलीवुड में शाहरुख खान का दौर चला और उन्होंने एक से एक हिट फिल्में दीं। लेकिन इस बीच शाहरुख ने कई ऐसी फिल्में भी कीं, जो सुपर फ्लॉप साबित हुई। आइए आपको ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में बताते हैं।

दिल आशना है

शाहरुख ने अपने करियर की शुरुआत दिल आशना है फिल्म से की थी। इस फिल्म को फेमल एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने डायरेक्ट किया था। अपने इस डेब्यू फिल्म में शाहरुख कुछ खास नहीं कर पाए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उस तरह नहीं चल पाई जैसी उम्मीद लगाई गई थी।

चमत्कार

साल 1992 में आई फिल्म चमत्कार में भी शाहरुख नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ नसरुद्दीन शाह और उर्मिला मातोंडकर भी थीं। इस राजीव मेहरा ने डायरेक्ट किया था लेकिन यह फिल्म भी शाहरुख के करियर की फ्लॉप फिल्मों से एक रही।

ओ डार्लिंग ये है इंडिया

शाहरुख खान ने अपने करियर में कई निर्देशकों के साथ काम किया। इस बीच जब उनकी फिल्में फ्लॉप होती रहीं तो उन्होंने निर्देशक केतन मेहता के साथ भी काम किया। इस बार वह साल 1995 में 'ओ डार्लिंग यह है इंडिया' फिल्म लेकर आए, इसमें शाहरुख के साथ दीपा शाही नजर आईं। साथ ही जावेद जाफरी जैसे एक्टर ने भी इस फिल्म में काम किया। लेकिन अंत में नतीजा वही रहा, यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं कर पाई और फ्लॉप साबित हुई।

सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर भाई इब्राहिम की फोटो शेयर कर की तारीफ, बोलीं -'भईया मेरे...'

अंजाम

साल 1994 में राहुल रावेल द्वारा निर्देशित फिल्म अंजाम में शाहरुख माधुरी दीक्षित के साथ नजर आए लेकिन यह फिल्म भी कुछ खास नहीं चल सकी। यह फिल्म भी बाकी फ्लॉप फिल्मों की तरह ही सुपर फ्लॉप साबित हुई।

जमाना दीवाना

बॉलीवुड में रोमांस फिल्मों के किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान ने साल 1995 में एक फिल्म 'जमाना दीवाना' की लेकिन यह फिल्म भी एक औसत फिल्म रही और कुछ खास नहीं कर सकी। इसमें शाहरुख के साथ रवीना टंडन, शत्रुघ्न सिन्हा और जितेंद्र जैसे दिग्गल कलाकार भी नजर आए थे।

पहेली

शाहरुख खान के करियर की कई ऐसी फिल्में रही जिनके गाने तो खूब चले लेकिन फिल्में उस हिसाब से नहीं चलीं। ऐसी ही फिल्मों मे से एक फिल्म पहेली भी रही। साल 2005 में आई इस फिल्म में शाहरुख के साथ रानी मुखर्जी नजर आई थीं। साथ ही नसरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक और अनुपम खेर जैसे एक्टर भी दिखाई दिए थे।

मिर्जापुर के जेपी यादव अब इस सीरीज में आएंगे नजर, बोले- यूं एक झटके में पूरा हुआ 25 साल का ख्वाब

बिल्लू

बिल्लू फिल्म में शाहरुख खान के साथ मशहूर दिवंगत एक्टर इरफान खान भी नजर आए थे। इस फिल्म को लेकर काफी बवाल हुआ था। पहले तो रिलीज से पहले फिल्म के नाम को लेकर काफी बवाल हुआ इसके बाद दर्शकों ने भी इस फिल्म को एक सिरे से नकार दिया और यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर असफल ही रही।

फैन

साल 2016 में फैन फिल्म से बॉलीवुड में एक बार फिर से अपनी चमक लोगों के बीच बिखेरने की उम्मीद से पर्दे पर आए शाहरुख खान कुछ खास नहीं कर सके। यह फिल्म भी सुपर फ्लॉप साबित हुई। यह फिल्म मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित की गई थी।

हाल में भी शाहरुख ने जो फिल्में की हैं, उन फिल्मों ने भी दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं किया है।

शाहरुख खान ने अपनी आखिरी फिल्म 'जीरो' साल 2018 में की थी। इसके बाद से अब तक वो बड़े पर्दे पर नजर नहीं आए हैं। अब ऐसे में जाहिर तौर सवाल उठता है कि क्या किंग खान अब बॉलीवुड के बादशाह नहीं रहे?

सूरत महानगर पालिका चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने वार्ड 16 से समाजसेवक विपुलभाई डी मोवलीया उम्मीदवार घोषित

सूरत में होने वाले महानगर पालिका चुनाव के लिए सामाजिक कार्यकर्ता व समाजसेवक विपुलभाई डी मोवलीया को आम आदमी पार्टी ने वार्ड 16 से अपना उम्मीदवार घोषित किया। जिसके कारण सूरत की सामाजिक संगठनों व मुंबई तरंग की टीम की ओर से बधाई दी.

करोना के कारण देशभर में 'लॉकडाउन' के चलते काफी जरूरतमन्दों को भोजन की काफी तकलीफ हो रही है, जिसके लिए काफी संस्थाएं लोगो की हर तरह से सेवा कर रही है। ऐसे ही सूरत में सामाजिक संस्था श्री कामधेनू धुन सेवा सत्संग मंडल, संस्थापक विपुल डी मोवलिया ने लगातार ७६ दिन तक रोज के 10 से 12 हजार सूरत में जरूरतमन्दों को दोनों समय भोजन वितरित किया था और कापोद्रा पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर इस स्टेशन के हद में आनेवाले सभी एरिया में कामधेनु युवक मण्डल म्यूजिकल ग्रुप द्वारा 'मुक्ति रथ' निकलकर सभी सोसाइटी में करोना सम्बन्धी सन्देश दिया गया था और भजन, देशभक्ति प्रस्तुत किया जाता था, जिसे बिल्डिंग के लोग बालकनी में खड़े होकर सुनते है और लोगों का मनोरंजन किया जाता था ऐसी जानकारी श्री कामधेनू धुन सेवा सत्संग मंडल के अध्यक्ष विपुलभाई डी मोवलिया ने दिया। विपुलभाई ने बताया कि इस समाजसेवा में श्री कामधेनू धुन सेवा सत्संग मंडल की पूरी टीम और उनके साथ हितेशभाई धोलिया, रोहितभाई रियानी, दिलीपभाई पटेल, कपोद्रा के पीआई मनसुखभाई गुर्जर, रसोइया पंकजभाई डोबरिया, परषोत्तमभाई ठूमर (दास) इत्यादि लोग भी है।

बर्ड फ्लू को लेकर सरकार अलर्ट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने लोगों और खाद्य व्यवसायों से आग्रह किया है कि वे न घबराएं। साथ ही सुरक्षित खपत के लिए मुर्गी के मांस और अंडे की उचित हैंडलिंग और खाना पकाने को सुनिश्चित किया है। FSSAI ने खुदरा मांस की दुकानों पर और उपभोक्ताओं द्वारा और पोल्ट्री मांस को संभालने या संसाधित करने में सावधानी बरतने का सुझाव दिया है। FSSAI ने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि पोल्ट्री मांस और अंडे खाने के लिए सुरक्षित हैं और कोई महामारी विज्ञान डेटा नहीं कहता पका हुआ मांस खाने से बर्ड फ्लू हो सकता है।

केंद्र ने शनिवार को कहा कि नौ राज्यों केरल, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पंजाब में पोल्ट्री में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। कौआ / प्रवासी / जंगली पक्षियों के लिए 12 राज्यों में एवियन इन्फ्लुएंजा की पुष्टि की गई है। मंत्रालय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी ने एक बयान में कहा कि "23 जनवरी, 2021 तक, नौ राज्यों (केरल, हरियाणा, मध्य प्रदेश,

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पंजाब) में पोल्ट्री बर्ड्स के लिए एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के प्रकोप की पुष्टि की गई है"।

सोशल मीडिया पर विज्ञापन, 1 हजार रुपये दाम...मुंबई में ऐसे बिक रहे लोकल ट्रेन के फर्जी पास

मुंबई, राजधानी मुंबई में लोकल ट्रेनें आम लोगों के लिए अभी शुरू नहीं हुई हैं, पर लोकल ट्रेनों में यात्रियों की संख्या पिछले कुछ सप्ताहों में खासी बढ़ गई है। शक किया जा रहा था कि काफी यात्रियों ने फर्जी पहचान पत्र से रेलवे के पास बनवाए हैं। वह आशंका सही साबित हुई है। साइबर पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी पहचान पत्र बनाता था। उसने इन पहचान पत्रों को बेचने के लिए सोशल मीडिया पर ही प्रचार करना शुरू कर दिया था। आरोपी की पहचान शिवा मिश्रा के रूप में हुई है। सोशल मीडिया पर प्रचार मिश्रा ने सोशल मीडिया पर अपना मोबाइल नंबर लिख छोड़ा था। उसने प्रचार किया था कि जिस किसी को भी लोकल ट्रेन में सफर करना हो और पहचान पत्र चाहिए, तो बताए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे। साइबर पुलिस स्टेशन की डीसीपी रश्मि करंदीकर को जब इस विज्ञापन के बारे में पता चला, तो उन्होंने एक फर्जी कस्टमर तैयार करवाया और फिर दिए गए मोबाइल नंबर पर आरोपी से संपर्क करवाया। हजार रुपये में बीएमसी का आईडी कार्ड देने का दावा आरोपी ने हजार रुपये में बीएमसी का आईडी कार्ड देने का वायदा किया। पुलिस के फर्जी कस्टमर ने हां कर दी और बदलापुर के रहनेवाले शिवा मिश्रा को एक खास जगह बुलाया। जैसे ही आरोपी बताई जगह पर पहुंचा, पुलिस ने उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया। साइबर पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईकार्ड बनाने वाली सारी सामग्री, उसका मोबाइल और लैपटॉप, कंप्यूटर और प्रिंटर भी जब्त कर लिया है।

दर्द देती दुर्घटनाएं! महामार्गों पर तीन साल में 37 हजार लोगों ने गंवाई जान

मुंबई, राज्य सरकार द्वारा महामार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जगह-जगह पर दुर्घटना को लेकर चेतावनी के बोर्ड लगाने से लेकर अनेक कदम उठाए गए हैं। इसके बावजूद राज्य के महामर्गों पर पिछले तीन साल में ३७ हजार ५०१ लोगों ने अपनी जान गंवाई है जबकि ५३ हजार ४५२ लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। पिछले वर्ष राज्य में १० हजार दुर्घटनाएं महामार्गों पर हुईं, जिसमें ११ हजार लोगों ने अपनी जान गंवाई है। वर्ष २०१८ में १२ हजार ९८ दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें १३ हजार २६१ लोगों की मौत हुई। वर्ष २०१९ में ११ हजार ७८७ दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें १२ हजार ७८८ लोगों की मौत हुई और वर्ष २०२० में १० हजार ६४६ दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें ११ हजार ४५२ लोगों की मौत हुई थी। नियम का उल्लंघन करके बेखौफ वाहन चलानेवाले वाहन चालकों से पिछले वर्ष ६९७ करोड़ ९२ लाख ९३ हजार रुपए का दंड वसूल किया गया था। बता दें कि राज्य के महामार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए १८ जनवरी से १७ फरवरी तक राज्य सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा सप्ताह चलाया जा रहा है।

चीन, ऑक्सफोर्ड के बाद रूस की वैक्सीन को पाकिस्तान ने दी मंजूरी पर अब तक हाथ खाली

भारत, अमेरिका, यूके, चीन सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान चल रहा है। भारत तो पड़ोसी मुल्कों को वैक्सीन तोहफे में भी भेज रहा है लेकिन पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान अभी भी यही बाट जोह रहा है कि उसे वैक्सीन कौन देगा। कुछ दिन पहले पाकिस्तान ने कहा था कि चीन अपनी बनाई सिनोफार्म वैक्सीन उसे देने वाला है और अब इस्लामाबाद ने रूस की बनाई वैक्सीन स्पुतनिक वी को भी आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी लेकिन सवाल यही है कि आखिर पाकिस्तान को वैक्सीन मिलेगी कब। पाकिस्तान की वेबसाइट 'डॉन डॉट कॉम' के मुताबिक, देश की सरकार ने रूस की कोविड वैक्सीन स्पुतनिक वी को भी आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। यह तीसरी वैक्सीन है जिसे पाकिस्तान ने मंजूरी दी है लेकिन अभी तक वहां टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इससे उलट भारत में 3 जनवरी

को दो टीकों को आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली और 16 जनवरी से देशभर में टीकाकरण शुरू हो गया। इतना ही नहीं 20 जनवरी से भारत अपने पड़ोसी देशों को भी वैक्सीन भेजने लगा था।

बीते हफ्ते पाकिस्तान की दवा नियामक संस्था ने ऑक्सफोर्ड एस्ट्रेजेनेका की वैक्सीन को मंजूरी दी थी और इससे पहले ही चीन की बनाई सिनोफार्म वैक्सीन को पाकिस्तान में मंजूरी मिल गई थी। जबकि भारत ने आत्मनिर्भर रहकर ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनका की वैक्सीन का सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पुणे केंद्र में उत्पादन किया और साथ ही भारत बायोटेक की बनाई स्वदेशी कोरोना वैक्सीन को भी अब सुरक्षित माना जा रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इसी हफ्ते घोषणा की थी कि चीन ने 31 जनवरी तक पाकिस्तान को कोरोना वैक्सीन की 5 लाख खुराकें भेजने का वादा किया है। पाकिस्तान ने सबसे पहले चीन की वैक्सीन को ही इस्तेमाल की इजाजत दी थी लेकिन अभी तक यह वैक्सीन इस्लामाबाद पहुंची नहीं है। वहीं, ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनका की वैक्सीन की कीमत पाकिस्तान की पहले से खाली जेब में छेद कर सकती है। दरअसल, अगर पाकिस्तान इस वैक्सीन को मंगवाता है तो उसे एक वैक्सीन के लिए 6 से 7 डॉलर चुकाने पड़ेंगे जो कि पाकिस्तानी रुपये के हिसाब से 1125 रुपये तक हैं। इसके अलावा ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनेका ने अभी तक यह भी साफ नहीं किया है कि वह कितने समय में टीके पाकिस्तान को भेज पाएगा।

फाइजर वैक्सीन की आपूर्ति अटकने से 80 प्रतिशत देशों में संकट, कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी

अमेरिकी टीका निर्माता फाइजर-बायोएनटेक की बनायी कोरोना वैक्सीन की समय पर आपूर्ति न हो पाने से टीकाकरण करा रहे दुनिया के 80 फीसदी देशों में संकट खड़ा हो गया है। रूस व चीन के इतर दुनिया में सबसे पहला कोरोना टीका फाइजर-बायोएनटेक ने तैयार किया था, इसकी खुराकों को बड़ी तादाद में लगभग हर अमीर देश ने सबसे पहले खरीद लिया। इसके बावजूद ये धनी देश तेजी से कोरोना टीकाकरण नहीं करा पा रहे हैं। इन देशों का आरोप है कि फाइजर समय पर टीका उपलब्ध करवाने में विफल हो रहा है। इटली ने खुराकों की डिलीवरी न मिलने के कारण फाइजर पर कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा कर दी है।

अमेरिका की फार्मास्यूटिकल फर्म ने यूरोपीय देशों में टीका आपूर्ति में अस्थायी तौर पर कटौती कर दी है। फाइजर का कहना है कि वह अगले कुछ सप्ताह के लिए टीका आपूर्ति को धीमा करेगा क्योंकि टीका निर्माण की क्षमता बढ़ाने के लिए उसके बेल्जियम स्थित प्रोसेसिंग प्लांट में काम चल रहा है।

इस स्थिति के कारण जर्मनी के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तरी राइन-वेस्टफेलिया में टीकाकरण टालना पड़ा। यह राज्य टीका मिल जाने के बाद फरवरी में टीकाकरण की शुरूआत करेगा।

दूसरी ओर, इटली के कई क्षेत्रों ने टीकाकरण के पहले चरण को निलंबित करना पड़ा क्योंकि पर्याप्त खुराकें मौजूद नहीं थीं। जबकि स्पेन के मैड्रिड में स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण रोक दिया गया है। रोमानिया में भी स्थिति खराब है, वहां दो सप्ताह बाद वैक्सीन का स्टॉक खत्म हो जाएगा। चेज रिपब्लिक ने कहा कि पूरे टीके न मिलने से टीकाकरण की योजना धराशायी हो गई है। वहीं, हालात को देखते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री ने खुद कंपनी से बात करके समय पर आपूर्ति करने को कहा है।

देरी से नाराज दो देश करेंगे कानूनी कार्रवाई: इटली और पोलैंड ने आधिकारिक बयान जारी करके फाइजर को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इटली में इस सप्ताह टीका आपूर्ति में 29 प्रतिशत की कमी आ गई, कंपनी ने कहा है कि अगले सप्ताह 20 प्रतिशत कम डोज मिलेंगी। दूसरी ओर, पोलैंड को पहले चरण में मिलने वाले टीके की खुराकों की 50 फीसदी आपूर्ति घट जाने से स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि अगर फाइजर फरवरी तक आपूर्ति सुधारने का वादा पूरा नहीं करता तो उस पर कानूनी कार्रवाई होगी।

इजरायल में टीका लगने के बाद भी लोग संक्रमित: अब तक टीका लगवाने वालों पर हुई आरटीपीसीआर जांच में पाया कि देश में 12400 टीका लाभार्थी संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 69 लाभार्थी ऐसे हैं जो टीके की दोनों खुराकें लेने के बाद संक्रमित हुए। देश में महामारी के राष्ट्रीय समन्वयक ने कहा कि यह टीका उम्मीद के मुताबिक असरदायक साबित नहीं हो रहा है।

गरीब देशों को भी मिलेगी फाइजर की वैक्सीन : विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों को टीका उपलब्ध करवाने की पहल 'कोवैक्स' के लिए फाइजर-बायोएनटेक से टीका खरीदने का समझौता कर लिया है। इससे गरीब व विकासशील देशों को भी कम दामों में फाइजर का टीका उपलब्ध हो सकेगा। गौरतलब है कि शून्य से 70 डिग्री कम ताप पर रखा जाने वाला यह टीका बहुत महंगा है और इसकी 80 प्रतिशत खुराके सभी बड़े देश खरीद चुके हैं।

सड़क हादसों में घायलों का प्राइवेट अस्पतालों में भी होगा मुफ्त इलाज

हर साल सड़क हादसो में घायल होने वाले लाखों सड़क यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। केंद्र सरकार निजी अस्पताल-नर्सिंग होम में जल्द ही घायलों को मुफ्त इलाज देने की सुविधा शुरू करने जा रही है। इसके तहत डेढ़ लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त होगा, अस्पताल पहुंचाने अथवा दूसरी जगह ट्रांसफर करने में परिवहन खर्च पृथक मिलेगा। हिट एंड रन मामले में सरकार ने घायलों का ख्याल रखते हुए उनको इस योजना में शामिल किया है। इतना ही नहीं स्थायी अपंगता होने पर पांच लाख रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। मृत्यु होने पर उनके परिजनों को यह राशि दी जाएगी। इसमें विदेशी सैलानी-तीर्थ यात्री भी शामिल हैं।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने पिछले हफ्ते सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए राष्ट्रीय कैशलेस ट्रीटमेंट योजना बनाई है। इसके तहत एक्सप्रेस-वे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, जिला सड़कें व अन्य सड़कों पर सड़क हादसों में घायलों को उक्त सुविधा देने का फैसला किया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैशलेस योजना से हर साल औसतन होने वाली पांच लाख सड़क दुर्घटनाओं में साढ़े चार लाख से अधिक घायलों को फायदा होगा। सबसे अधिक मदद हिट एंड रन सड़क हादसे के घायलों को होगी। अज्ञात वाहन हादसे कर मौके से फरार हो जाते हैं और घायलों का हाल लेने वाला कोई नहीं होता है। इस योजना से घायलों का इलाज कर उनकी जान बचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं पूर्ण रूप से विकलांग होने पर अधिकतम पांच लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। मृत्य होने की स्थिति में पांच लाख रुपये परिजनों को दिए जाएंगे। इसके अलावा ऐसे मामले में केंद्र सरकार की ओर से तय नियमों के अनुसार वित्तीय मदद का प्रावधान किया जाएगा।

सरकार ने घायलों को हादसो के पहले एक घंटे (गोल्डन आवर) के भीतर मुफ्त इलाज देने के लिए देश के 21,000 निजी अस्पताल-नर्सिंग होम सूचीबद्ध किया है।

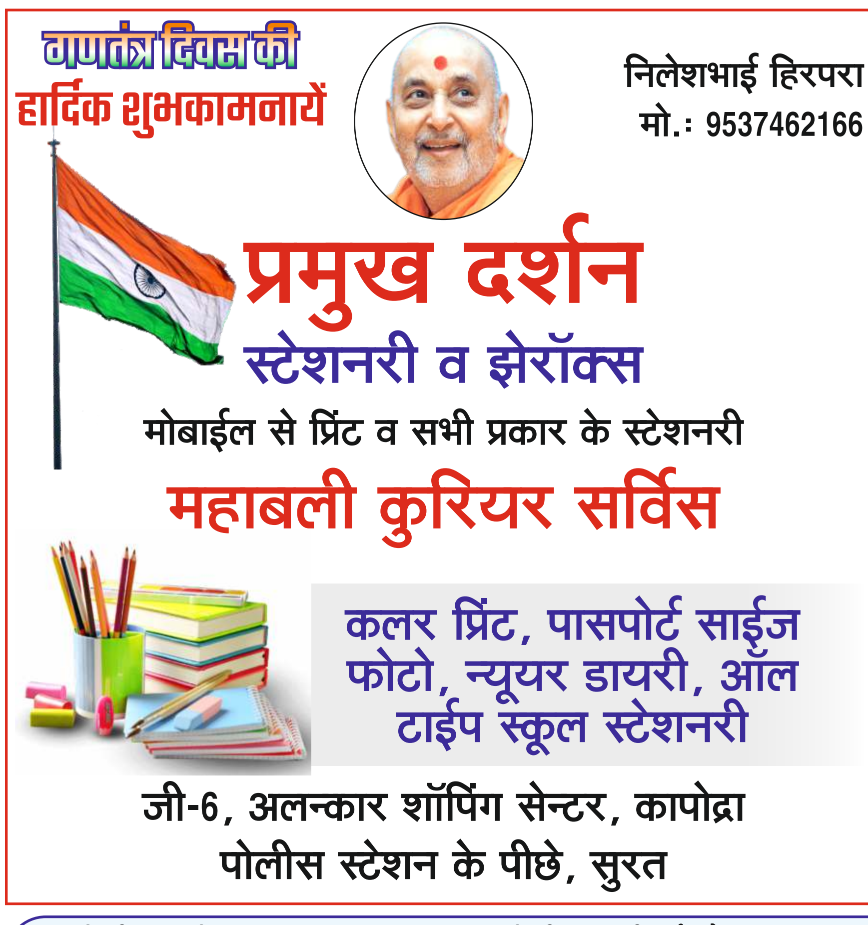

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।